



# भारत का अनुबंध

## The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० १८] नई दिल्ली, शनिवार, मई १, १९८२ (वैशाख ११, १९०४)

No. 18] NEW DELHI, SATURDAY, MAY 1, 1982 (VAISAKHA 11, 1904)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके

(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड ४

[PART III—SECTION 4]

विविध निकायों द्वारा जारी की गई विविध घोषणाएँ जिसमें कि आदेश, विज्ञापन और सूचनाएँ सम्मिलित हैं

[Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies]

भारतीय स्टेट बैंक

केन्द्रीय कार्यालय बम्बई

बम्बई, दिनांक 31 मार्च 1982

इसके द्वारा बैंक के स्टाफ में की गयी निम्नलिखित नियुक्ति की अधिसूचना दी जाती है :—

श्री वर्मजी० डिडोरकर को केन्द्रीय कार्यालय के स्टाफ में दिनांक 29 मार्च 1982 से उप शास्त्रा निरीक्षक के पद पर नियुक्त किया गया है।

दिनांक 5 अप्रैल, 1982

इसके द्वारा बैंक के स्टाफ में की गयी निम्नलिखित नियुक्ति की अधिसूचना दी जाती है :—

श्री जी० अप्पाजी राव को केन्द्रीय कार्यालय के स्टाफ में दिनांक 1 अप्रैल, 1982 से उप शास्त्रा निरीक्षक के पद पर नियुक्त किया गया है।

वी० एम० नटराजन

प्रबंध निदेशक

दि इंस्टीट्यूट एफ चार्टरड एकाउन्टेंट्स एफ इण्डिया

नई दिल्ली-110002, दिनांक 16 अप्रैल, 1982

चार्टर्ड एकाउन्टेंट्स

सं० १-८००० (117)/७९-चार्टरड एकाउन्टेंट्स एक, 1949 (1949 का 38 वां) के भाग 30 के उपभाग (1) के द्वारा प्रदत्त अधिकारीों का प्रयोग करते हुए दि काउन्सिल एफ दि इंस्टीट्यूट एकाउन्टेंट्स एफ इण्डिया ने चार्टर्ड एकाउन्टेंट्स रेगुलेशन्स, 1964 में निम्नलिखित संशोधन किए हैं, जो उपर्युक्त भाग के उपभाग (3) के अधीन प्रोक्षित पहले हों प्रकाशित और केन्द्रीय मंत्रालय द्वारा स्वीकृत किये जा चुके हैं।

उपर्युक्त रेगुलेशन्स में :—

1. रेगुलेशन 44 के वर्तमान वास्तविक उप रेगुलेशन (8) के लिए निम्नांकित बदलावें :—

“(8) इस रेगुलेशन के उद्देश्य के लिए, इन रेगुलेशन्स के अधीन कोई आर्टिकिल्ड कलर्क 1 अप्रैल 1972 के बाद किमी परीक्षा में बैठता है अथवा

31 दिसम्बर, 1979 के बाद इंस्टीट्यूट द्वारा मंचानित एकाउन्टिंग की अकादमी के कोर्म को, जिसे इस संबंध में काउन्सिल द्वारा मात्यना प्रदान की गई है, करता है तो वह दिन (बीच में पड़ने वाली छुट्टियों महित) अवसान नहीं माने जायेंगे, बल्कि उन्हें ड्रेटी पर माना जायेगा।”

2. रेगुलेशन 55 के वर्तमान वास्तविक उप रेगुलेशन (6) के लिए निम्नांकित बदल लें।

(6) इस रेगुलेशन के उद्देश्य के लिए इन रेगुलेशन के अध्यात कोई आटिंग कलर्क 1 अप्रैल, 1972 के बाद किसी परीक्षा में बैठता है अथवा 31 दिसम्बर, 1979 के बाद इंस्टीट्यूट द्वारा मंचानित एकाउन्टिंग की अकादमी के कोर्म को जिसे इस संबंध में काउन्सिल द्वारा मात्यना प्रदान की गई है, करता है तो वह दिन (बीच में पड़ने वाली छुट्टियों महित) अवसान नहीं माने जायेंगे बल्कि उन्हें ड्रेटी पर माना जायेगा।”

दिनांक 19 अप्रैल, 1982

(चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स)

सं० 1-सी०ए०(118)/80 : चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स एक्ट 1949 (1949 का 38वां) की द्वारा 30 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए, दि कौसिल आफ इंस्टीट्यूट आफ चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स आफ इंडिया ने चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स रेगुलेशन, 1964 में निम्नलिखित संशोधन किए हैं, ये संशोधन पूर्व प्रकाशित तथा केन्द्रीय सरकार द्वारा कथित धारा की उपधारा (3) के अन्तर्गत स्वीकृत प्राप्त हैं।

इन कथित रेगुलेशनों में निम्नकित संशोधन जो 1 जुलाई, 1982 से लागू होंगे :—

(1) रेगुलेशन 32 बी० के अंत में निम्नलिखित उपरेगुलेशन 4 जोड़ लें :—

“(4) यहां उपरेगुलेशन (2) या (3) जैसा भी माना हो, के अंतर्गत छात्रवृत्ति, सदस्य द्वारा आटिंकल्ड कलर्क को दी जायेगी जो या तो (ए) रेखांकित एकाउन्ट पेर्ई चैक के रूप में प्रति माह होगा, जिसके लिए आटिंकल्ड कलर्क में टिकट लगी रसीद प्राप्त की जाये, अथवा (बी) यह राशि सदस्य द्वारा निर्दिष्ट बैंक की गाँवा में आटिंकल्ड कलर्क के खाते में प्रति माह उसी के नाम से जमा करायी जाये।”

(2) अनुसूची ए० पैराग्राफ 4 के फार्म 14 में क्लास (बी०) के बाद तथा क्लाज (सी०) से पूर्व पूर्व निम्नलिखित क्लाज जोड़ जायेंगे :—

“(बी०बी०) यह कि वह रेगुलेशन में निर्दिष्ट दरों पर आटिंकल्ड कलर्क को न्यूनतम मासिक

छात्रवृत्ति देगा तथा यह कि इस राशि का भुगतान (ए०) या तो रेखांकित एकाउन्ट पेर्ई चैक के रूप में प्रति माह और जिसके लिए टिकट लगी रसीद प्राप्त की जाय, अथवा (बी) आटिंकल्ड कलर्क द्वारा इस निमित्त खोले गये बैंक खाते में प्रति माह जमा करवा कर।”

(3) अनुसूची ए० के पैराग्राफ 5 के फार्म 15 में क्लाज (बी०) के अन्त में तथा क्लाज (सी०) के पूर्व निम्नलिखित को जोड़ें :—

“(बी०बी०) यह कि वह रेगुलेशनों में निर्दिष्ट दरों पर आटिंकल्ड कलर्क को न्यूनतम मासिक छात्रवृत्ति देगा तथा यह कि इस राशि का भुगतान (अ) या तो रेखांकित एकाउन्ट पेर्ई चैक के रूप में प्रति माह हो और जिसके लिए आटिंकल्ड कलर्क से टिकट लगी रसीद प्राप्त की जाय, अथवा (बी) आटिंकल्ड कलर्क द्वारा इस निमित्त खोले गये बैंक खाते में प्रति माह जमा करवा कर।”

(4) अनुसूची ए० के फार्म 20 में दूसरे पैराग्राफ के बाद निम्नलिखित नया पैराग्राफ बढ़ा लें :—

“मैं पुनः प्रमाणित करता हूँ कि रेगुलेशनों में निर्दिष्ट दरों के अनुसार मैंने आटिंकल्ड कलर्क को न्यूनतम मासिक छात्रवृत्ति अदा की है और यह छात्र वृत्ति प्रति माह रेखांकित एकाउन्ट पेर्ई चैक द्वारा,\* में मेरे द्वारा प्रति माह उसके खाता (संख्या).....में.....बैंक की बांच में जमा किया गया।

बैंक का नाम लिखें

\*जो उपयुक्त न हो उसे काट दें।

(5) अनुसूची ए० के फार्म 20 ए० में तीसरे पैराग्राफ के बाद निम्नलिखित नया पैराग्राफ बढ़ा लें :—

“मैं पुनः प्रमाणित करता हूँ कि रेगुलेशनों में निर्दिष्ट दरों के अनुसार मैंने आटिंकल्ड कलर्क को न्यूनतम मासिक छात्रवृत्ति अदा की है और यह छात्रवृत्ति प्रति माह रेखांकित एकाउन्ट पेर्ई चैक द्वारा\* मेरे द्वारा उसके खाता (संख्या).....में.....बैंक की बांच में जमा किया गया।

\*जो लागू न हो उसे काट दें।

नई विली, 21 अप्रैल, 1982

सं० 1-सी०ए० (122)/80 :—चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स एक्ट, 1949 (1949 का 38वां) के खण्ड 30 के उपर्युक्त (1) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए इंस्टीट्यूट आफ चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स आफ इंडिया की कौसिल ने चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स रेगुलेशन, 1964 में निम्नांकित संशोधन किये हैं जो पहले ही प्रकाशित किये जा चुके हैं।

और जैसा कि उपर्युक्त खण्ड के उप-खण्ड (3) के अधीन अपेक्षित हैं, केन्द्र सरकार द्वारा संशोधन स्वीकार किये जा चुके हैं।

उपर्युक्त रैगुलेशन्स में :—

अनुसूची “बी०” के पैराग्राफ 6 में तृतीय उपबन्ध तथा सिलेबस के बीच में निम्नलिखित चतुर्थ उपबन्ध जोड़ा जायेगा, यथा :—

“बास्ते पुनः यह कि जहाँ प्रत्याखी परीक्षा की समाप्ति के पूर्व उस अनुसूची के अन्तर्गत इन्टरमीडिएट परीक्षा के बोनों ही ग्रुपों को उत्तीर्ण नहीं करता

(1) यदि उसने कथित परीक्षा के ग्रुप-1 को तो उत्तीर्ण किया हो किन्तु वह उसी परीक्षा के ग्रुप-2 को उत्तीर्ण नहीं कर पाया हो तो ग्राह्य होने पर अनुसूची “बी०बी०” के अन्तर्गत इन्टरमीडिएट परीक्षा के ग्रुप-1 की “कास्ट एकाउन्टिंग” में तथा अनुसूची “बी०बी०” के अन्तर्गत इन्टरमीडिएट परीक्षा के ग्रुप-2 के तीनों प्रश्नपत्रों में उसकी परीक्षा ली जायेगी तथा यदि वह ग्रुप-1 के उपरोक्त प्रश्न-पत्र-3 में कम से कम 40 प्रतिशत अंक तथा अनुसूची “बी०बी०” के अन्तर्गत उपरोक्त ग्रुप-2 के प्रत्येक प्रश्नपत्रों में न्यूनतम 40 प्रतिशत अंक तथा उसी ग्रुप के सभी प्रश्नपत्रों के कुल योग के 50 प्रतिशत अंक को एक ही बार परीक्षा देने में प्राप्त कर लेता है तो उसे उत्तीर्ण घोषित माना जायेगा।

(2) यदि ग्राह्य होने पर उसने कथित परीक्षा के ग्रुप-2 को उत्तीर्ण किया है किन्तु कथित परीक्षा के ग्रुप-1 को उत्तीर्ण नहीं किया हो तो ग्राह्य होने पर अनुसूची “बी०बी०” के अन्तर्गत इन्टरमीडिएट परीक्षा के ग्रुप-1 प्रश्न पत्र के बीच 1,2 तथा 4 में ही उसकी परीक्षा ली जायेगी तथा उसे इन्टरमीडिएट परीक्षा उत्तीर्ण घोषित कर दिया जायेगा यदि उसने अनुसूची “बी०बी०” के उपरोक्त ग्रुप-1 के उपरोक्त तीनों प्रश्नपत्रों के प्रत्येक में न्यूनतम 40 प्रतिशत अंक तथा उपरोक्त तीनों प्रश्नपत्रों में कुल योग का 50 प्रतिशत एक ही बार परीक्षा में बैठने पर प्राप्त किया हो”।

बी० एस० गोपालकृष्णन  
सचिव,

बम्बई-400005 दिनांक 3 मार्च 1982

सं० 4-डब्ल्यू०सी०ए० 15/81/82—चार्टरड प्राप्त लेखाकार विनियम 1964 के विनियम 16 के अनुसरण में एतद द्वारा यह सूचित किया जाता है कि चार्टरड प्राप्त लेखाकार अधिनियम 1949 की धारा 30 उपधारा (1) (ग) द्वारा प्रवक्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए भारतीय चार्टरड

प्राप्त लेखाकार संस्थान परिषद ने अपने सदस्यता रजिस्टर में से निम्नलिखित सदस्यों का नाम निर्धारित शुल्क न जमा कराने के कारण उनके आगे दी गई तिथि से हटा दिया है।

क्रम संख्या	सदस्यता संख्या	नाम एवं पता	दिनांक
1	30932	श्री के०ए० चतुर्वेदी, 126/4407, तिलक नगर, चैम्बूर, बम्बई-400089	1-8-80
2.	80417	श्री डी०ए० घोष, द्वारा फ़ाइजर पैड कम्पनी एक्सप्रेस टोबर, नरमिन पावान्टम, बम्बई-400021।	1-8-80

बम्बई, दिनांक 31 मार्च 1982

सं० 4-डब्ल्यू० सी०ए० (18)/81-82—चार्टरड प्राप्त लेखाकार विनियम 1964 के विनियम 16 के अनुसरण में एतद द्वारा यह सूचित किया जाता है कि चार्टरड प्राप्त लेखाकार अधिनियम 1949 की धारा 20 उपधारा 1 (क) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए भारतीय चार्टरड प्राप्त लेखाकार संस्थान परिषद ने अपने सदस्यता रजिस्टर में से मृत्यु हो जाने के कारण निम्नलिखित सदस्यों का नाम उनके आगे दी गई तिथि से हटा दिया है:—

क्र०	सदस्यता संख्या	नाम एवं पता	दिनांक
सं०	4261	श्री जी०सी० देसाई, 88, मादारीवाला मार्केट वारानपुरी, भागल, सूरत-395003	29-1-82
2.	7126	श्री एस एच० दलाल गंगर कुटीर, फ्लैट नं० 8 दूसरी मंजिल, राष्ट्रीय शाला रोड, विले पाले (पश्चिम) बम्बई-400056.	11-11-81

सं० 8-डब्ल्यू०सी०ए० (20)/81-82—रेगुलेशन 10

(1) की धारा (4) जिसे चार्टरड एकाउन्टेन्स के रेगुलेशन 1964 के अधिनियम 10 (2) (बी) के साथ पढ़ा जाए, के अनुसार एतद द्वारा सूचना दी जाती है कि निम्नलिखित सदस्यों को कार्य करने का प्रमाण पत्र 1 अगस्त 1981 से रद्द समझे जायेंगे क्योंकि उन्होंने वर्ष 1981-82 के लिए कार्य प्रमाण-पत्र हेतु वार्षिक शुल्क का भुगतान 31 जुलाई 1981 तक नहीं किया था :—

क्र०	सदस्यता संख्या	नाम एवं पता	(1)	(2)	(3)	(4)
1.	856	श्री एम० एच० दोतीवाला, ए०सी० ए० सी०-३ नैस बाग, नाना भांक, ग्रांट रोड, बम्बई-४००००७.	3.	32514	श्री ए० बी० कुलकर्णी २५-७-८१ ए०सी०ए०, जी०/१, साहा-कार निवास, प्रो० बी० ए०म० आगास्थे रोड, दादर, बम्बई-४०००२८.	
2.	1026	श्री एम०एम० हरदीकर, ए०सी०ए०, १८, माधव साहा निवास, २७७, मुगान लेन, महिम, बम्बई-४०००१६.	4.	32527	श्रा जे० डी० ठक्कर, १-४-८१ ए०सी०ए०, १५-ई, शिवाजी पार्क, डा० ए०बी० राऊत रोड, बम्बई-४०००२८.	
3.	10143	श्री आर० गोयल, एक० सी० ए०, द्वारा चार्टर एण्ड कम्पनी, अजमेरा भवन, जौहरी बायर जगपुर-३०२००३.	5.	33382	श्री नर्मार बच्चू, ए० सी०ए०, हैर्पी हाउस बनयित रोड, पिघोनी दूसरी मंजिल, बम्बई-४०००२३.	
4.	13748	श्री एम०ज० अरमारकर, एफ०सी०ए०, लकड़ी पुल बस स्टाप के पास, महाल, नागपुर-४४०००२.				
5.	32689	श्रा एम०बी० चुलानावारण० सी० ए०, १५-बी गंगा निवास, जवाहरतगर कोलहोपुर।				
6.	80865	श्री कै० रवीशंकर, ए० सो० ए०, द्वारा इन्टरनेशन आँडिट डिपार्टमेंट टेलको, पिम्परी, पुना-४११०१८.				

सं० ८—इच्छ्य० सी०ए० (२१)/८१-८२—चार्टर्ड प्राप्त लेखाकार विनियम १९६४ के विनियम १० (१) खंड (तीन) के अनुसरण में एन्ड्रारा यह सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित सदस्यों को जारी किए प्रैक्टिस प्रमाण-पत्र उनके आगे दी गई तिथियों में रह कर दिये गये हैं क्योंकि वे अपने प्रैक्टिस प्रमाण-पत्र को रखने के छचुक नहीं हैं :—

क्र०	सदस्यता	नाम एवं पता	दिनांक
सं०	संख्या		
(1)	(2)	(3)	(4)
1.	16580	श्री बी०आर० भन्साली एफ०सी०ए०, १२ लक्ष्मी विलास, ८७, नेपियन सी० रोड, बम्बई-४००००६.	१-१२-८१
2.	31457	श्री वा०वा० भन्साली ए०सी०ए०, १८०/सी०, लेमिनगटन रोड, बम्बई-४००००७.	१-२-८२

सं० ५—इच्छ्य०सी०ए० (२२)/८१-८२—इस संस्थान की अधिसूचना नं० ४ इच्छ्य०सी०ए० (१६)/८१-८२, दिनांक ५-३-८२ के संदर्भ में चार्टर्ड प्राप्त लेखाकार विनियम १९६४ के विनियम १८ के अनुसरण में एन्ड्रारा यह सूचित किया जाता है कि उन विनियमों के विनियम १७ द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए भागीय चार्टर्ड प्राप्त लेखाकार संस्थान परियद् ने अपने सदस्यता रजिस्टर में निम्नलिखित सदस्यों का नाम पुनः उनके आगे दी गई तिथि से स्थापित कर दिया है :—

क्र०	सदस्यता	नाम एवं पता	दिनांक
संख्या	संख्या		
(1)	(2)	(3)	(4)
1.	6552	श्री जी० जी० हीरानी, ए०सी०ए०, २०१, गोकुल, दूसरी मंजिल, ८०-ए०, बड़ौदा गली, बम्बई-४००००९.	१-८-८१
2.	10660	श्री आर० एच० अरनीपालिया, एफ०सी०ए०, छोटानी भवन, ब्लाक नं० १, दूसरी मंजिल, प्रोक्टर रोड, बम्बई-४००००७.	१-८-८१
3.	11727	श्री एम० कै० जैन, ए०सी०ए०, प्रकाशन आफीसर, टटा इंजीनियरिंग एण्ड लोकोमोटिव कम्पनी निमिटेड, १४०, एम० जौ० रोड, बम्बई-४०००२३.	१-८-८१

(1)	(2)	(3)	(4)	
4.	12898	श्री एस० जी० देसाई, ए०सी०ए०, फाइनेन्स मैनेजर, ओमान ट्रेडिंग काल्यूकिंग एप्पड इन्डस्ट्रियल कम्पनी लिमिटेड, पोस्ट बाक्स नं० 3826, रुद्धी, सुनतनते आफ ओमान।	1-8-81	
5.	16087	श्री ए० के० गांधी, ए०सी०ए०, 311, कान्जी मेन्सन, मरदार वी० पी० रोड, बम्बई-400004.	1-8-81	
6.	30509	श्री ए० डी० हेमाडी, ए० सी० ए०, अमिस्टेंट ब्रैंच एकाउन्टेंट, मे० गलेक्सो लेबोरेटरीज (हांडिया) लिमिटेड, डॉ० ए० बी० रोड, वर्ली, बम्बई-400025.	1-8-81	
7.	30640	श्री वी० एच० थाने, ए०सी०ए०, 9/314, योगानन्द सोसायटी, एल०टी०रोड, वजीबा नाका, बोरीबला-पसिंचम, बम्बई-400092.	1-8-81	

पी० एस० गोपालाकृष्णन,  
सचिव

मद्रास-600034, दिनांक 8 मार्च 1982

सं० 8-एस०सी०ए०/14/81-82—चार्टर्ड प्राप्त लेखाकार विनियम 1964 के विनियम 10 (1) खंड (द्वितीय) के अनुसरण में एतद् द्वारा यह सूचित किया जाता है कि श्री एम० कम्बूस्वामी, ए०सी०ए०, 19, फस्ट क्रास स्ट्रीट, आर० के० नगर, मद्रास-600028, को जारी किया प्रैक्टिस प्रमाण-पत्र 1 अगस्त 1981 से रद्द कर दिया है क्योंकि वह सदस्य द्वारा दी गई गलत सूचनाओं पर जारी किया गया था। उसकी सदस्यता संख्या 19193 है।

दिनांक 31 मार्च 1982

शुद्धि पत्र

सं० 4 ए०सी०ए० (1)/8/81-82—अधिसूचना नं० 4 ए०सी०ए० (1)/8/81-82 दिनांक 17 मार्च, 1982 में से निम्नलिखित सदस्यों के नाम उनके आगे दिये गये श्रमांक नम्बर से हटाने हैं:—

संख्या	सदस्यता नाम व पता	क्रम संख्या
12281	श्री एम० अनन्ता शर्मा, फाइनेन्स मैनेजर, रियलिक फोरेज कॉ० लि०, माउनार्ली, हैदराबाद-500040.	6
18404	श्री ए० बी० महासिंह 6549, राष्ट्रपती रोड, मिकन्दराबाद।	11
19533	श्री के० टी० मैथू, सी-6, सैनकांरी, सिकन्दराबाद-500094.	19
21218	श्री ए० इन्द्रा कुमार 70, आई०जे० पुटुर एक्सटेशन, सलैम।	30

सं० 8-एस०सी०ए०/15/81-82—रेगुलेशन 10 (1) की धारा (4) जिसे चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स के रेगुलेशन 1964 के अधिनियम 10 (2) (बी) के माध्य पढ़ा जाए, के अनुमार एतद् द्वारा सूचना दी जाती है कि निम्नलिखित सदस्यों को कार्य करने का प्रमाण-पत्र 1 अगस्त 1981 से रद्द समझे जाएंगे क्योंकि उन्होंने वर्ष 1981-82 के लिए कार्य प्रमाण-पत्र हेतु वार्षिक शुल्क का भुगतान 31 जुलाई 1981 तक नहीं किया था:—

क्र० सं०	सदस्यता संख्या	नाम एवं पता
(1)	(2)	(3)
1.	3216	श्री ए० वासुदेवन, ए०सी०ए०, फ्लैट नं० 43, जनता फ्लैट्स, कान्यी शिकरा, जन्जा गुडा, हैदराबाद 500004.
2.	6692	श्री के० रहमान खान, ए०सी०ए०, 19/1, मालावला रामा राव रोड, ए०स० जे० पी० रोड, बंगलौर-560002.
3.	11196	श्री विजयकुमार, ए०सी०ए०, सिवाकृष्णा प्रथम फ्लौर, काराक्कल रोड, कोचीन-682016.
4.	13284	श्री ट०बी० बैंकटामुक्कामनिश्चन, ए०सी०ए०, 41-प, 8 मैन रोड, सेक्ष्यूल ब्लाक, जयानगर, बंगलौर-560011.

(1)	(2)	(3)
5.	18903	श्री ग्राह० रामासेशन, ए०सी०ए०, हनुमप्पा बिल्डिंग्स, स्वर्णकुप्पम, रोबर्टसनपेट, कै० जी० एफ०-563122.
6.	19547	श्री प्रमोद हरकिसनदास, ए० सी० ए०, बी०/167-सिल्क स्ट्रीट, कोडीकोड-673001.
7.	20419	श्री टी०जे० मैथू, ए० सी० ए०, इन्टरनेल आडिट आफिसर, सन्डविक एशिया लि०, बम्बई-पूना रोड, पूना-411012.
8.	20744	श्री एस० वैकटेशन, ए०सी०ए०, 1279, चिन्नामवियालू स्ट्रीट, वेस्ट मैन स्ट्रीट, थानजावुर-613001.
9.	21001	श्री शैनोय अरविन्द गोपालाकृष्णन, 14-8, जारूर महल, 66, मेरिन ड्राइव बम्बई-400020.
10.	21087	श्री पी०पी० कृष्णन् भट्टाचरी, ए०सी०ए०, एकाउन्टेन्ट, नोरमान्डी ब्रूफराइज एण्ड डिस्ट्रिब्यूटरी, पी०प्र०० चीमेनी, वाया चेन्नैलूर-670317.
11.	21270	श्री एम०बी० रमना महाकृष्ण, ए०सी०ए०, 11-3-827 (अपस्टेम्स), लाइन अपोजिट जिआ टाकीज न्यू मलेपल्ली, हैदराबाद।
12.	80258	श्री ए०श्रार० बैकटाचनम, ए०सी०ए०, 1758-ए, 3-4 कॉस, बनासकरी II स्टेज, बंगलौर-560070.
13.	81242	श्री कै० शंकरा नारायना राव, ए०सी०ए० 20, श्री कृष्णाराजनेन्द्र मार्केट, बंगलौर-560002.

सं० 8 ए०सी०ए०/16/81-82—चार्टर्ड प्राप्त लेखाकार विनियम 1964 के विनियम 10 (1) खण्ड (तीन) के अनुसरण में एतद् द्वारा यह सूचित किया जाता है कि श्री ग्राह० मोहन राज, ए०सी०ए०, 67, काका थोप्पु स्ट्रीट, मदुरै-625001 को जारी किया प्रैक्टिस प्रमाण-पत्र

20 जनवरी, 1982 से रह कर दिया है क्योंकि वह अपना प्रैक्टिस प्रमाण-पत्र रखने के इच्छुक नहीं हैं। उसकी सदस्यता संख्या 20452 है।

सं० 5-ए०सी०ए०/14/81-82—इस संस्थान की अधिसूचना नं० 4 सी०ए० (1)/19-79-80 विनांक 15 मार्च 1980 के संदर्भ में चार्टर्ड प्राप्त लेखाकार विनियम 1964 के विनियम 18 के अनुसरण में एतद् द्वारा यह सूचित किया जाता है कि उक्त विनियमों के विनियम 17 द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए भारतीय चार्टर्ड प्राप्त लेखाकार संस्थान परिषद ने अपने सदस्यता रजिस्टर में श्री एम० कन्नूस्वामी, ए०सी०ए०, चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट, 19, फस्ट कॉस स्ट्रीट, आर०क० नगर, मद्रास-600028 का नाम दिनांक 21 दिसम्बर, 1981 से पुनः स्थापित कर दिया गया है। उसकी सदस्यता संख्या 19193 है।

सं० 4-ए०सी०ए०/9/81-82—चार्टर्ड प्राप्त लेखाकार विनियम 1964 के विनियम 16 के अनुसरण में एतद् द्वारा यह सूचित किया जाता है कि चार्टर्ड प्राप्त लेखाकार अधिनियम 1949 की धारा 20 उपधारा (1) (क) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए भारतीय चार्टर्ड प्राप्त लेखाकार संस्थान परिषद ने अपने सदस्यता रजिस्टर में से मृत्यु हो जाने के कारण निम्नलिखित सदस्यों का नाम उनके आगे थी गई तिथि से हटा दिया है।

क०	सदस्यता	नाम एवं पता	दिनांक
सं०	संख्या		
1.	175	श्री ए० रामास्वामीदंगर, सी०/प्र०० राव एंड स्वामी चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स 2/1, कनोट रोड, तासकार टाउन, बंगलौर-560052.	6-2-82
2.	453	श्री कै० ई० बारिया, सी०/प्र०० ए०सी०बी० विल्सी-मोरिया एंड कम्पनी चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स, 3-6-111/5, हिमायतनगर, हैदराबाद-500029.	14-12-81
3.	2077	श्री एस० रामाकृष्णा नं० 6, नोर्थ गोपालापुरम, फस्ट स्ट्रीट, मद्रास-600086.	3-1-82

पी० एस० गोपालकृष्णन, सचिव

दी इनस्टिच्यूट आफ कास्ट  
एन्ड वर्स एकाउन्टेन्ट्स आफ इण्डिया  
कलकत्ता-700016, दिनांक 31 मार्च 1982  
(कास्ट एकाउन्टेन्ट्स)

सं० 16 सी० डब्ल्यू०आर० (401)/82—दी कास्ट एन्ड वर्स एकाउन्टेन्ट्स रेग्युलेशन्स 1959 के विनियम 16 का अनुसरण कर यह अधिसूचित किया जाता है कि दी कास्ट आफ वर्स एकाउन्टेन्ट आफ इण्डिया के परिषद ने कास्ट आन्ड वर्स एकाउन्टेन्ट्स अधिनियम 1959 की धारा 20 की उपधारा (2) के द्वारा दिये गये अधिकारों का प्रयोग करते हुए श्री आर० कानन, ए०आर० सी० डब्ल्यू० ए, 2 मैन रोड, सुब्रमनियम नगर, कोदमवाकम, मद्रास, 600024 (सदस्यता संख्या एम/1145) के नाम को उनके अनुग्रह पर 31 मार्च 1982 से सदस्य पंजिका मे हटा दिया गया है।

दिनांक 6 अप्रैल 1982

सं० 39 सी०डब्ल्यू० ए० (51)/82—दी कास्ट एन्ड वर्स एकाउन्टेन्ट्स अधिनियम 1959 (1959 के अधिनियम संख्या 23) की धारा 39 की उप-धारा (1) के द्वारा दिये गये अधिकारों का प्रयोग करते हुए दी इनस्टिट्यूट आफ कास्ट एन्ड वर्स एकाउन्टेन्ट्स के रेग्युलेशन्स, 1959 में निम्नलिखित परिवर्तनों को किया गया है जो 1 अप्रैल 1982 से लागू होगा। कहे हुये धारा की उप-धारा (3) के अनुसार पहले इनका प्रकाशन हुआ और केन्द्रीय सरकार से अनुमोदन प्राप्त किया गया।

कहे हुये रेग्युलेशन्स मे:—

1. रेग्युलेशन 7 के उप विनियम (3) मे अंकों और शब्दों “रुपये 75” अंकों और शब्दों “रुपये 100” के द्वारा स्थानापन्न किया जायेगा।
2. रेग्युलेशन 7 के उप विनियम (4) मे अंकों और शब्दों “150” निम्नलिखित के द्वारा स्थानापन्न किया जायेगा।

“एक अधि सदस्य को वार्षिक सदस्यता शुल्क रुपये 200 जो प्रत्येक वर्ष 1 अप्रैल, को देय होगा। बशते कि वह एसोसिएट जिसे अधि सदस्य के रूप

में किसी साल के बीच मे प्रवेश दिया जाता है, उसे उस वर्ष के लिये सदस्यता शुल्क उस वर्ष के 1 अक्तूबर के पहले या 1 अक्तूबर के बाद प्रवेश के अनुसार केवल, रुपये 100 या रुपये 50 देना होगा।”

3. रेग्युलेशन 288 के उप-विनियम (1) मे अंकों और शब्दों “रुपये 40” अंकों और शब्दों “रुपये 75” के द्वारा स्थानापन्न किया जायेगा।
4. रेग्युलेशन 288 के उप-विनियम (1) मे अंकों और शब्दों “रुपये 35” अंकों और शब्दों “रुपये 25” के द्वारा स्थानापन्न किया जायेगा।

एस० एन० घोष  
सचिव

#### भारतीय डाक-तार विभाग

डाक-तार महानिदेशक का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक अप्रैल 1982

सूचना

सं० 25-1/82-एल०आर०—निम्नलिखित डाक तार बीमा पालिसियां विभाग के संबंध से गुम हो गई हैं। यह सूचित किया जाता है कि उक्त पालिसियों का भुगतान रोक दिया गया है। निदेशक, डाक जीवन बीमा, कलकत्ता को बीमेदारों के नाम पालिसियों की दूसरी प्रति जारी करने के लिए प्राधिकृत कर दिया गया है। जनता को सावधान किया जाता है कि मूल पालिसियां के संबंध मे कोई लेन-देन न करें:—

क्रमांक	पालिसी नं०	बीमेदार का नाम	राशि
1.	162869-पी	श्री आर०सी०शुक्ला	रु० 4000/- दिनांक 7-4-70
2.	एल-66791	6802188 नब सूबेदार	राज०ए० दयालसिंह रु० 10,000/- दिनांक 3-1-77

एम० आर० हसरानी  
निदेशक (डाक जीवन बीमा)

STATE BANK OF INDIA

CENTRAL OFFICE

Bombay, the 31st March 1982

The following appointment on the Bank's staff is hereby notified:—

Shri V. G. Dindorkar has been appointed as Deputy Branch Inspector on the Central Office Staff as from the 29th March 1982.

The 5th April 1982

The following appointment on the Bank's staff is hereby notified:—

Shri G. Appaji Rao has been appointed as Deputy Branch Inspector on the Central Office Staff as from the 1st April 1982.

V. S. NATARAJAN  
Managing Director

## THE INSTITUTE OF CHARTERED ACCOUNTANTS OF INDIA

New Delhi-110002, the 16th April 1982

## (CHARTERED ACCOUNTANTS)

No. 1-CA(117)/79.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 30 of the Chartered Accountants Act, 1949 (XXXVIII of 1949), the Council of the Institute of Chartered Accountants of India has made the following amendments to the Chartered Accountants Regulations, 1964, the same having been previously published and approved by the Central Government as required under sub-section (3) of the said section.

In the said Regulations :—

I. For the existing substantive sub-regulation (8) of Regulation 44, substitute the following :—

"(8) For the purpose of this regulation, the days (including intervening holidays) on which an articled clerk appears for any examination under these Regulations after 1st April 1972 or attends, after 31st December, 1979, a course at an academy of accounting conducted by the Institute and recognised by the Council in this behalf, shall not be treated as leave but would be treated as on duty."

II. For the existing substantive sub-regulation (6) of Regulation 55, substitute the following :—

"(6) For the purpose of this regulation, the days (including intervening holidays) on which an audit clerk appears for any examination under these Regulations after 1st April, 1972 or attends after 31st December 1979, a course at an academy of accounting conducted by the Institute and recognised by the Council in this behalf, shall not be treated as leave but would be treated as on duty."

The 19th April 1982

## (CHARTERED ACCOUNTANTS)

No. 1-CA(118)/80.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 30 of the Chartered Accountants Act, 1949 (XXXVIII of 1949), the Council of the Institute of Chartered Accountants of India has made the following amendments to the Chartered Accountants Regulations, 1964, the same having been previously published and approved by the Central Government as required under sub-section (3) of the said section.

In the said Regulations, the following amendments shall take effect from 1st July, 1982 :—

I. At the end of Regulation 32B, add the following sub-regulation (4) :—

"(4) The stipend under sub-regulation (2) or (3) hereof as the case may be, shall be paid by the member to an articled clerk either (a) by a crossed account payee cheque every month against a stamped receipt to be obtained from the articled clerk; or (b), by depositing the amount every month in an account opened by the articled clerk in his own name with a branch of the bank to be specified by the member."

II. In Form 14 of Schedule 'A', in paragraph 4, after clause (b) and before clause (c), the following clause be inserted :—

"(bb) That he will pay to the articled clerk a minimum monthly stipend at the rates specified in the Regulations and that the same shall be paid either (a) by a crossed account payee cheque every month against a stamped receipt to be obtained from the articled clerk; or (b) by depositing the amount every month in the bank account opened by the articled clerk for the purpose."

III. In Form 15 of Schedule 'A', in paragraph 5, after clause (b) and before clause (c), the following clause be inserted :—

"(bb) That he will pay to the articled clerk a minimum monthly stipend at the rates specified in the Regulations and that the same shall be paid either

(a) by a crossed account payee cheque every month against a stamped receipt to be obtained from the articled clerk; or (b) by depositing the amount every month in the bank account opened by the articled clerk for the purpose."

IV. In Form 20 of Schedule 'A', after the second paragraph, insert the following new paragraph :—  
"I further certify that I have paid to the articled clerk a minimum monthly stipend at the rates specified in the Regulations and that the stipend was paid by crossed account payee cheques every month/deposited by me every month in his account (number) \_\_\_\_\_ with \_\_\_\_\_ branch of the \_\_\_\_\_ (Name of the bank)  
(\*Delete words not applicable)

V. In Form 20A of Schedule 'A', after the third paragraph, insert the following new paragraph :—  
"I further certify that I have paid to the articled clerk a minimum monthly stipend at the rates specified in the Regulations and that the stipend was paid by crossed account payee cheques every month/deposited by me every month in his account (number) \_\_\_\_\_ with \_\_\_\_\_ branch of the \_\_\_\_\_ (Name of the Bank)  
(\*Delete words not applicable)

The 21st April 1982

## (CHARTERED ACCOUNTANTS)

No. 1-CA(122)/80.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 30 of the Chartered Accountants Act, 1949 (XXXVIII of 1949), the Council of the Institute of Chartered Accountants of India has made the following amendments to the Chartered Accountants Regulations, 1964, the same having been previously published and approved by the Central Government as required under sub-section (3) of the said section.

In the said Regulations :—

In paragraph 6 of Schedule 'B', the following fourth proviso be added between the third proviso and the syllabus, viz :—

"Provided further that where a candidate has not passed in the both groups of the Intermediate Examination under this Scheduled before its discontinuance—

(i) if he has passed in group I of the said examination but not in group II of the said examination, subject to being eligible he shall be examined in paper 3 on "Cost Accounting" of group I of the Intermediate examination under Schedule 'BB' and the three papers comprising group II of the Intermediate examination under Schedule 'BB' and shall be declared to have passed the Intermediate examination if he secures at one attempt a minimum of 40% marks in the aforesaid paper 3 of group I and a minimum of 40% marks in each of the papers of the aforesaid group II under Schedule 'BB' and 50% of the total marks of all the papers of that group.

(ii) if he has passed in group II of the said examination but not in group I of the said examination, subject to being eligible he shall be examined only in papers 1, 2 and 4 of group I of the Intermediate examination under Schedule 'BB' and shall be declared to have passed the Intermediate examination if he secures at one attempt a minimum of 40 per cent marks in each of the aforesaid three papers of the aforesaid group I under Schedule 'BB' and 50 per cent of the total marks of all the aforesaid three papers.

P. S. GOPALAKRISHNAN,  
Secretary

Bombay-400 005, the 3rd March 1982

No. 4-WCA(15)/81-82.—In pursuance of Regulation 16 of the Chartered Accountants Regulations, 1964, it is hereby notified that in exercise of the powers conferred by Clause (c) of Sub-Section (1) of Section 20 of the Chartered Accountant

Act, 1949 the Council of the Institute of Chartered Accountants of India has removed from the Register of Members of this Institute with effect from 1st August, 1980, on account of non-payment of the prescribed fees, the names of the following gentlemen:

Sl. No.	M. No.	Name & Address
1.	30932	Shri K. N. Chaturvedi, 126/4407, Tilak Nagar, Chembur, Bombay-400 089,
2.	80417	Shri D. M. Ghosh, C/o Pfizer & Co, Express Towers, Nariman Point, Bombay-440 021.

The 31st March 1982

No. 4-WCA (18)/81-82—In pursuance of Regulation 16 of the Chartered Accountants Regulations, 1964, it is hereby notified that in exercise of the powers conferred by Clause (a) of Sub-Section (1) of Section 20 of the Chartered Accountants Act, 1949, the Council of the Institute of Chartered Accountants of India, has removed from the register of members of this Institute on account of death, with effect from the dates mentioned against their names, the names of the following gentlemen:

Sl. No.	M. No.	Name & Address	Date of Removal
1.	4261	Shri G. C. Desai, 88, Sadariwala Market, Baranpuri Bhagal, Surat-395 003.	29-1-1982
2.	7126	Shri S. H. Dalal, Shanker Kutir, Flat No. 8, 2nd floor, Rashtria Shala Road, Vile Parle (W), Bombay-400 056.	11-11-1981

No. 8-WCA(20)/81-82—In pursuance of Clause (iv) of Regulation 10(1) read with regulation 10(2) (b) of the Chartered Accountants Regulations, 1964, it is hereby notified that the Certificate of Practice issued to the following members shall stand cancelled with effect from 1st August, 1981 as they have not paid their annual fee for Certificate of Practice for the year 1981-82 till 31st day of July, 1981.

Sl. No.	M. No.	Name and Address
1	2	3
1.	856	Shri M. H. Dotiwala, ACA, C-3, Ness Baug, Nana Bhawk, Grant Road, Bombay 400 007.
2.	1026	Shri M. M. Hardikar, ACA, 18, Madhav Saha Niwas, 277, Mogul Lane, Mahim, Bombay-400 016.
3.	10143	Shri R. Goyal, FCA, C/o Chater & Co, Ajmera Bhawan, Johari Bayer, Jaipur-302 003.
4.	13748	Shri M. G. Armarkar, FCA, Near Lakdipul Bus Stop, Mahal, Nagpur- 440 002.
5.	32689	Shri M. B. Ghulanawar, ACA, 15-B, Ganga Niwas, Jawahar Nagar, Kolhapur.

1	2	3
6.	80865	Shri K. Ravishanker, ACA, C/o Internal Audit Deptt., TELCO, Pimpri, Pune-411 018.

No. 8-WCA(21)/81-82—In pursuance of Clause (iii) of Regulation 10(1) of the Chartered Accountants Regulations, 1964, it is hereby notified that the Certificate of Practice issued to the following members shall stand cancelled from the dates mentioned against their names as they do not desire to hold their Certificate of Practice.

Sl. No.	M. No.	Name & Address	Date of Cancellation
1.	16580	Shri V. R. Bhansali, FCA, 12, Laxmi Vilas, 87, Nepean Sea Road, Bombay-400 006.	1-12-1981
2.	31457	Shri V. V. Bhansali, ACA, 180/C, Lamington Road, Bombay-400 007.	1-2-1982
3.	32514	Shri A. B. Kulkarni, ACA, G/1, Sahakar Niwas Prof. : V. S. Agasthe Road, Dadar, Bombay-400 028.	25-7-1981
4.	32527	Shri J. D. Thakker, ACA, 15-E, Shivaji Park, Dr. M.B. Raut Road, Bombay-400 028.	1-4-1981
5.	33382	Shri Nasir Bachchoo, ACA, 14, Happy House, Banian Road, Pydhonie, 2nd floor. Bombay-400 023.	18-3-1982

No. 5-WCA(22)/81-82—With reference to this Institute's Notification No. 4-WCA(16), 81-82 dated 5-3-1982 it is hereby notified in pursuance of Regulation 18 of the Chartered Accountants Regulations, 1964, that in exercise of the powers conferred by Regulation 17 of the said Regulations, the Council of the Institute of Chartered Accountants of India has restored to the Register of Members, the names of the following Members with effect from the date mentioned against their names:

Sl. No.	Membership Number	Name & Address	Date of Restoration
1	2	3	4
1.	6552	Shri G.G. Hirani, FCA, 201, 'Gokul', 2nd floor, 80-A, Baroda St., Bombay-400 009.	1-8-1981
2.	10660	Shri R.H. Achhipalia, FCA, Chhotani Bldg., Block No. 1, 2nd floor, Proctor Road, Bombay-400 007.	1-8-1981
3.	11727	Shri S.K. Jain, ACA, Accounts Officer, Tata Engineering & Locomotive Co. Ltd., 148, M.G. Road, Bombay-400 023.	1-8-1981
4.	12898	Shri S.G. Desai, ACA, Finance Manager, Oman Trading Contracting & Industrial Co. Ltd., P.O. Box No. 3826, Ruwi, Sultanate of Oman.	1-8-1981
5.	16087	Shri A.K. Gandhi, ACA, 311, Kanji Mansion, Sardar V.P. Road, Bombay-400 0044.	1-8-1981

1	2	3	4	1	2	3
6.	30509	Shri A.D. Hemmady, ACA, Assistant Branch Accountant, M/s. Glaxo Laboratories (India) Limited, Dr. A.B. Road, Worli, Bombay-400 025.	1-8-1981	2.	6692	Shri K. Rahman Khan, FCA, 19/1, Malavalli Rama Rao Road, S.J.P. Road, Bangalore-560 002.
7.	30640	Shri V.H. Thatte, ACA, 9/314, Yoganand Scty., L. T. Road, Vaziva Naka, Borivli (W), Bombay-400 092	1-8-1981	3.	11196	Shri Vijayakumar, FCA, Sivakripa, I Floor, Karakkal Road, Cochin-682 016.

P. S. GOPALAKRISHNAN  
Secretary

Madras-600 034, the 8th March 1982

No. 8-SCA/14/81-82.—In pursuance of Clause (ii) of Regulation 8(1) of the Chartered Accountants Regulations, 1964, it is hereby notified that the Certificate of Practice issued to Shri M. Kannuswamy, ACA, 19, First Cross Street, R. K. Nagar, Madras-600-028 has been cancelled with effect from 1st August 1981 as the Certificate of Practice was issued on the basis of wrong information provided by the member. His membership number is 19193.

The 31st March 1982

*CORRIGENDUM*

4-SCA(1)/8/81-82.—In Notification No. 4-SCA(1)/8/81-82 dated 17th March 1982, *delete* the names of the following members appearing under serial numbers shown against their names :

M. No.	Name and Address	Sl. No.
12281	Shri M. Ananta Sarma, Finance Manager, Republic Forge Co. Ltd., Moulali, Hyderabad-500 040.	6
18404	Shri A. V. Sadasive, 6549, Rashtrapathi Road, Secunderabad.	11
19533	Shri K. T. Mathew, C-6, Sainkouri, Secunderabad-500 594.	19
21218	Shri S. Indra Kumar, 70, I.J. Pudur Extension, Salem.	30

The 31st March 1982

8-SCA/15/81-82.—In pursuance of Clause (iv) of Regulation 10(1) read with Regulation 10(2) (b) of the Chartered Accountants Regulations, 1964, it is hereby notified that the Certificate of Practice issued to the following members shall stand cancelled with effect from 1st August 1981 as they had not paid their annual fee for Certificate of Practice for the year 1981-82 till 31st day of July 1981.

Sl. No.	M. No.	Name & Address
1	2	3
1.	3216	Shri A. Vasudevan, FCA, Flat No. 43, Janta Flats, Kanthi Shikara, Panja Gutta, Hyderabad-500 004.

2.	6692	Shri K. Rahman Khan, FCA, 19/1, Malavalli Rama Rao Road, S.J.P. Road, Bangalore-560 002.
3.	11196	Shri Vijayakumar, FCA, Sivakripa, I Floor, Karakkal Road, Cochin-682 016.
4.	13284	Shri T. V. Venkatasubramanian, ACA, 41-A, Eighth Main Road, Second Block, Jayanagar, Bangalore-560 011.
5.	18903	Shri R. Ramaseshan, ACA, Hanumappa Buildings, Swarnakuppam, Robertsonpet, K G F-563 122.
6.	19547	Shri Pramod Harkisandas, ACA, 8/167—Silk Street, Kozhikode-673 001.
7.	20419	Shri T.J. Mathew, ACA, Internal Audit Officer, Sandvik Asia Ltd., Bombay Poona Road, Poona-411 012.
8.	20744	Shri S. Venkatesan, ACA, 1279, Chinnabiyalu Street, West Main Street, Thanjavur-613 001.
9.	21001	Shri Shenoy Arvind Gopalakrishnan, 14-B, Zarer Mahal, 66, Marine Drive, Bombay-400 020.
10.	21087	Shri P. P. Krishnan Bhattacheri, ACA, Accountant, Normandy Breweries and Distilleries, P.O. Cheemeni, Via Cheruvalur-670 317.
11.	21270	Shri M.V. Ramana Maharishi, ACA, 11-3-827 (Upstairs) Line opposite Zia Talkies, New Mallepally, Hyderabad.
12.	80258	Shri A.R. Venkatachalam, ACA, 1758-A 3 4 Cross, Banasankari II Stage, Bangalore-560 070.
13.	81242	Shri K. Shankara Narayana Rao, ACA, 20, Sri Krishnarajendra Market, Bangalore-560 002.

The 31st March 1982

No. 8-SCA/16/81-82.—In pursuance of clause (iii) of Regulation 10(1) of the Chartered Accountants Regulations, 1964, it is hereby notified that the Certificate of Practice issued to Shri R. Mohan Raj, ACA, 67, Kaka Thoppu Street, Madurai-625 001, has been cancelled with effect from 20th January 1982, as he does not desire to hold the Certificate of Practice. His membership number is 20452.

No. 5-SCA/14/81-82.—With reference to this Institute's Notification No. 4-CA(1)/19/79/80 dated 15th March 1980, it is hereby notified in pursuance of Regulation 18 of the Chartered Accountants Regulations, 1964, that in exercise of the powers conferred by Regulation 17 of the said Regulations, the Council of the Institute of Chartered Accountants of India has restored to the Register of Members with effect from 21st December 1981 the name of Shri M. Kannuswamy, ACA, Chartered Accountant, 19, First Cross Street, R. K. Nagar, Madras-600 028. His Membership Number is 19193.

4-SCA/9/81-82.—In pursuance of Regulation 16 of the Chartered Accountants Regulations, 1964, it is hereby notified that in exercise of the powers conferred by Clause (a) Sub-Section (1) of Section 20 of the Chartered Accountants Act, 1949, the Council of the Institute of Chartered Accountants of India has removed from the Register of Members of this Institute on account of Death with effect from the dates mentioned against their names, the names of the following gentlemen:—

Sl. No.	M. No.	Name & Address	Date of Removal
1.	175	Shri A. Ramaswamiengar, C/o. Rao & Swami, Chartered Accountants, 2/1, Cannaught Road, Tasker Town, Bangalore-560 052.	6-2-1982
2.	453	Shri K.E. Baria, C/o S. B. Billimoria & Co., Chartered Accountants, 3-6-111/5, Himayatnagar Road, Hyderabad-500 029.	14-12-1981
3.	2077	Shri S. Ramakrishna, No. 6, North Gopalapuram, First Street, Madras-600 086.	3-1-1982

P. S. GOPALAKRISHNAN  
Secretary

THE INSTITUTE OF COST AND WORKS  
ACCOUNTANTS OF INDIA

Calcutta, the 31st March 1982

16-CWR(401)/82.—In pursuance of Regulation 16 of the Cost and Works Accountants Regulations, 1959, it is hereby notified that in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 20 of the Cost and Works Accountants Act, 1959, the Council of the Institute of Cost and Works Accountants of India has removed from the Register of Members, at his own request, the name of Shri R. Kannan, AICWA, 2, Main Road, Subramanyanagar, Kodembakkam, Madras-600 024 (Membership No. M/1145), with effect from 31st March 1982.

The 6th April 1982

(COST ACCOUNTANTS)

39-CWA(51)/82.—In exercise of the powers conferred by Sub-section (1) of Section 39 of the Cost and Works Accountants Act, 1959 (Act No. 23 of 1959), the Council of the Institute of Cost and Works Accountants of India has made the following amendments in the Cost and Works Accountants Regulations, 1959, effective from 1st April 1982, the same having been previously published and approved by the Central Government as required by sub-section (3) of the said Section.

In the said Regulations :

I. In sub-regulation (3) of Regulation 7, the words and figures "Rs 75" shall be substituted by the words and figures "Rs. 100".

II. In sub-regulation (4) of Regulation 7, the words and figures "150" shall be substituted by the following :

"A Fellow shall pay an annual membership fee of Rs. 200 which shall be payable on the 1st April in each year :

Provided that an Associate who is admitted as a Fellow during a year may pay Rs. 100 or Rs. 50 only as membership fee for that year according as he is admitted as a Fellow prior to the 1st October, or after the 1st October, of that year".

III. In sub-regulation (i) of Regulation 28B, the words and figures "Rs. 40" shall be substituted by the words and figures "Rs. 75".

IV. In sub-regulation (2) of Regulation 28B, the words and figures "Rs. 35" shall be substituted by the words and figures "Rs. 25".

S. N. GHOSE,  
Secretary

INDIAN POSTS AND TELEGRAPHS DEPARTMENT  
OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL, POSTS AND  
TELEGRAPHS

New Delhi, the 19th April 1982

NOTICE

No. 25-1/82-LI.—Postal Life Insurance policies particularised below having been lost from the Departmental custody, Notice is hereby given that the payment thereof has been stopped. The Director, Postal Life Insurance, Calcutta has been authorised to issue duplicate policies in favour of the insured. The Public are hereby cautioned against dealing with the original policies :—

Serial No.	Policy No. & Date	Name of insurant	Amount
1	2	3	4
1.	No. 162869-P Dt. 7-4-70	Shri R. C. Shukla 6802/88 Nb	Rs. 4000/-
2.	L-66791 dated 3-1-77	Sub/NA Dayal Singh Rawat	Rs 10,000/-

M. R. ISSARANI,  
Director (PLI).

UNIT TRUST OF INDIA

Bombay, the April, 1982

U.T./ /DPD(P&R)89/81-82.—The provisions of the Income Unit Scheme, 1982 formulated under Section 21 of the Unit Trust of India Act, 1963 are published herebelow for general information :

THE INCOME UNIT SCHEME, 1982

In exercise of the powers conferred by Section 21 of the Unit Trust of India Act, 1963 (52 of 1963), the Board of the Unit Trust of India hereby makes the following unit scheme :

I. Short title and commencement :—

- (1) This scheme shall be called the Income Unit Scheme, 1982.
- (2) It shall come into force on the 1st May, 1982.
- (3) Units will be on sale only during the months of May and June, 1982.

II. Definitions :—

In this scheme, unless the context otherwise requires—

- (a) the "Act" means the Unit Trust of India Act, 1963;
- (b) "acceptance date" with reference to an application made by an applicant to the Trust for sale or repurchase of units by the Trust means the day on which the Trust, after being satisfied that such application is in order, accepts the same;
- (c) "number of units to be in issue" means the aggregate of the number of units sold and outstanding;
- (d) "recognised stock exchange" means a stock exchange, which is, for the time being, recognised

under the Securities Contracts (Regulation) Act, 1956 (42 of 1956);

(e) "Regulations" means Unit Trust of India General Regulations, 1964 made under Section 43(1) of the Act;

(f) "unit" means one undivided share of the face value of Rupees one hundred in the unit capital;

(g) all other expressions not defined in the Act shall have the respective meanings assigned to them by the Act,

**III. Face value of each unit :—**

The face value of each unit shall be one hundred rupees.

**IV. Application for units :—**

(1) Applications for units may be made by the following classes of persons :

- (i) one individual or two individuals none of whom is a minor;
- (ii) a parent, step-parent or other lawful guardian on behalf of a minor.

(2) An application shall not be made jointly on behalf of a minor and another person. Applications in the names of two individuals can be either on joint basis or either or supervisor basis.

(3) Applications shall be made in such form as may be approved by the Chairman of the Trust.

(4) Application shall be for a multiple of 10 units subject to a minimum of 20 units and a maximum of 100 units.

(5) No person shall apply for units under more than one application. In case a person makes multiple applications, the Trust shall accept only one of the applications which is for the highest number of units, the rest of the applications being rejected. Two or more applications in single and/or joint names will be deemed to be multiple applications, if the sole and/or first applicant is one and the same person. Further, if any time during the currency of the scheme, the Trust comes to know that a person is holding more than one unit certificates (originally issued in his name) under the scheme, the unit-holder will be allowed to hold only one unit certificate (the one for the highest number of units), and the rest of the unit certificates being repurchased by it at the face value. No interest will be paid for the excess amount/s invested in units. If any dividend has been paid in respect of such units, the Trust shall deduct the dividend so paid to the unit-holder from the repurchase value of units.

(6) (i) The payment for the units applied for by an applicant shall be made by him along with the application in cash, cheques, draft or postal order. Cheques and drafts should be drawn on branches of banks within the city where the office at which the application is tendered is situated.

(ii) If the payment is made by cheque, the acceptance date will, subject to such cheque being realised, be the date on which the cheque is received by the Trust or by a designated branches of authorised bank. If payment is made by draft or postal order, the acceptance date will, subject to such draft or postal order being realised, be the date of issue of such draft or postal order provided the application is received by the Trust or a designated branch of authorised bank within a reasonable time. If the amount tendered by way of payment for the units applied for is not sufficient to cover the amount payable for the units applied for, the applicant shall be issued such lower number of units as could be issued under the scheme, the balance due to him shall be refunded to him at his cost in such manner as the Trust may deem fit.

(iii) A unit certificate will be sent by registered post with or without acknowledgement due to the address given by the applicant; and the Trust will not incur any liability for loss, damage, mis-delivery or non-delivery of the unit certificate, so sent.

**V. Sale of units :—**

The contract for sale of units by the Trust shall be deemed to have been concluded on the acceptance date. On such conclusion of the contract for sale, the Trust shall, as soon therefore as possible, issue to the applicant one unit certificate representing the units sold to him.

**VI. Repurchase of units :—**

(1) The Trust shall not repurchase units before 1st July, 1984.

(2) Subject to the provisions of sub-clause (1), the Trust may repurchase units on one or two occasions at the ruling repurchase price to the extent of 50% of the original holding of units of a unitholder. Fraction of a unit shall not be repurchased.

However, in the event of the death of the unit-holder, all the units shall be repurchased by the Trust at the repurchase price ruling on the date on which all the formalities in connection with the claims have been complied with by the claimants.

(3) Subject to the provisions of sub-clause (2), the Trust shall, on receipt by it of the unit certificate with the form on the reverse thereof duly completed, repurchase the units offered to it for repurchase. The certificates so received shall be returned by the Trust after making an endorsement thereon showing the units repurchased and the balance of units.

(4) Payment for units repurchased by the Trust shall be made as early as possible after the acceptance date in such manner as the applicant may indicate in the application. No interest shall, on any account, be payable on the amount due to the applicant and the cost of remittance (including postage) or of realisation of cheque or draft sent by the Trust shall be borne by the applicant.

**VII. Restrictions on sale and repurchase of units :—**

Notwithstanding anything contained in any provision of the scheme, the Trust shall not be under an obligation to repurchase units—

- (i) on such days as are not working days; and
- (ii) during the period when the register of unitholders is closed in connection with (as notified by the Trust) the annual closing of the books and accounts.

**Explanation :** For the purposes of this scheme, the term "working day" shall mean a day which has not been either (i) notified under the Negotiable Instruments Act, 1881, to be a public holiday in the State of Maharashtra or such other States where the Trust has its offices; or (ii) notified by the Trust in the Gazette of India as a day on which the office of the Trust will be closed.

**VIII. Sale or repurchase to be as on the acceptance date :—**

Every sale or repurchase of units by the Trust shall be as on the acceptance date at the respective prices prevailing on that date.

**IX. Sale and Repurchase prices :—**

(1) The units shall be sold at Rs. 100/- both in May and June 1982.

(2) The price at which a unit will be repurchased by the Trust (hereinafter referred to as "the repurchase price") shall be determined by the Trust on 15th of every month (or, the next working day, if that day happens to be a holiday) and shall apply to repurchases in the succeeding month.

(3) The repurchase price shall be arrived at by dividing the value (determined as hereinafter indicated) as at the close of business on the working day on which

the repurchase price is determined, of the assets pertaining to this Scheme, reduced by liabilities pertaining to this Scheme not being contingent liabilities or liabilities in respect of the unit capital including reserves, if any) as at the close of business on the said working day, by the number of units in issue as at the close of business on the said day, deducting therefrom such sum as in the opinion of the Trust is adequate to cover brokerage, commission, taxes, if any, stamp duties and other charges in relation to the realisation of investments by the Trust and adjusting downwards the resulting price by no more than ten paise per unit.

- (4) The repurchase price of a unit shall be arrived at on the basis of the material available with the Trust on the day on which the repurchase price is arrived at.
- (5) Notwithstanding anything contained to the contrary in sub-clause (2), (3) and (4), when the Trust is satisfied that in the interest of the Trust, the unit-holders and of the continuance and growth of the scheme, it is necessary or expedient to do so, the Trust may determine the repurchase price at a rate which may not necessarily be in accordance with the provisions of sub-clause (3) and any such determination shall be deemed to be in the interest of the Trust and the unitholders.
- (6) Notwithstanding anything contained to the contrary in sub-clause (2), the Trust may determine the repurchase price on any date other than the 15th day of a month and may deem any price fixed by it effective for such period as it may deem fit.

#### X. Publication of repurchase price :—

The Trust shall, as early as possible after the determination of the repurchase price, publish in such manner as it may deem fit, the repurchase price of units.

#### XI. Valuation of assets pertaining to this Scheme :—

(1) For the purposes of valuation of the assets under sub-clause (3) of Clause IX, the assets shall be classified into :

- (a) cash, (b) investments, and (c) other assets.

#### (2) Investments shall be valued by taking :—

- A. (a) the closing prices on the stock exchange as on the working day on which the valuation is made of the securities held by the Trust pertaining to this Scheme; Provided where a security is quoted on more than one stock exchange, the manner of determination the price of such security shall be decided by the Trust;
- (b) where any investment was not, during the relevant period, dealt in, or quoted or any recognised stock exchange, such value, as the Trust may, in the circumstances, consider to be the fair value of such investment; and

#### B. adding thereto—

- (a) in the case of interest earning deposits, interest accrued but not received;
- (b) in the case of Government securities and debentures interest accrued but not received; and
- (c) in the case of preference shares and equity shares quoted ex-dividend, any dividend declared but not received.

#### (3) Other assets shall be valued at their book value.

#### XII. Form of unit certificate :—

Unit certificates shall be in Form A annexed hereto. Each unit certificate shall bear a distinctive number, the number of units represented by the certificate and the name of the unit holder.

#### XIII. Manner of preparation of unit certificate :—

The unit certificates may be engraved or lithographed or printed as the Board may, from time to time, determine and shall be signed on behalf of the Trust by two persons duly authorised by the Trust. Every such signature may either be autographic or may be effected by a mechanical method. No

unit certificate shall be valid unless and until it is so signed. Unit certificates so signed shall be valid and binding notwithstanding that, before the issue thereof, any person whose signature appears thereon, may have ceased to be a person authorised to sign unit certificates on behalf of the Trust. Provided that should the unit certificate so prepared contain the signature of an authorised person who however is dead at the time of issue of the certificate, the Trust may by a method considered by it as most suitable, cancel the signature of such a person appearing on the certificate and have the signature of any other authorised person affixed to it. The unit certificate so issued shall also be valid.

#### XIV. Trusts not to be recognised regarding unit certificates :—

The person who is registered as the holder and in whose name a unit certificate has been issued shall be the only person to be recognised by the Trust as the unitholder and as having any right, title or interest in or to such unit certificate and the units which it represents; and the Trust may recognise such unit holder as absolute owner thereof and shall not be bound by any notice to the contrary or to take notice of the execution or any trust or, save as herein expressly provided or as by some court of competent jurisdiction ordered, to recognise any trust or equity or other interest affecting the title to any unit certificate or the units thereby represented.

#### XV. Exchange of unit certificates and procedure when certificate is mutilated, defaced, lost, etc.,

- (1) In case any unit certificate shall be mutilated or worn or defaced, the Trust in its discretion, may issue to the person entitled a new unit certificate representing the same aggregate number of units as the mutilated or worn or defaced unit certificate. In case any unit certificate should be lost, stolen or destroyed, the Trust may, in its discretion, issue to the person entitled a new unit certificate in lieu thereof. No such new unit shall be issued unless the applicant shall previously have
  - (i) furnished to the Trust evidence satisfactory to it of the mutilation, wearing out, defacement, loss, theft or destruction of the original unit certificate;
  - (ii) paid all expenses in connection with the investigation of the facts;
  - (iii) (in case mutilation or wearing out or defacement) produced and surrendered to the Trust the mutilated or worn out or defaced unit certificate; and
  - (iv) furnished to the Trust such indemnity as it may require.

The Trust shall not incur any liability for issuing such certificate in good faith under the provisions of this clause.

- (2) Before issuing any certificate under the provisions of this clause, the Trust may require the applicant for the unit certificate to pay a fee of Rupee one per unit certificate issued by it together with a sum sufficient in the opinion of the Trust to cover stamp duty, if any, or other charges or taxes including postal registration charges that may be payable in connection with the issue and despatch of such certificate.

#### XVI. Register of unitholders :—

The following provisions shall have effect with regard to the registration of unitholders :—

- (1) A register of the unitholders shall be kept by the Trust at its Head Office and there shall be entered in the register :
  - (a) the names and addresses of the unitholders;
  - (b) the distinctive number of the unit certificate and the number of units held by every such person; and
  - (c) the date on which such person became the holder of the units standing in his name.

(2) (a) If a unit certificate stands registered in the names of two persons, such persons shall be deemed to hold the unit certificate jointly and a discharge by the person first named in the register of the unit holders shall, as regards receipt of amounts due in respect of such units, discharge the Trust in respect of such amounts.

(b) Where two individuals, none of them being a minor, apply for issue of a unit certificate in their favour and request in the application that either of them should be permitted to deal with the units, the Trust shall record in its books suitable entries to take note of such request; and when a unit certificate has been issued in such circumstances, then either of the holders shall be entitled to deal with the units represented by such certificate, and a discharge by either of such persons shall, as regards receipt of amounts due in respect of such units, discharge the Trust in respect of such amounts.

Provided that the income distribution declared in respect of the units represented by such certificates shall be paid of the person first named in the register of unitholders.

(3) Any change of name or address on the part of any unitholder shall be notified to the Trust, which, on being satisfied of such change and on compliance with such formalities as it may require, shall after the register accordingly.

(4) Except when the register is closed in accordance with the provisions in that behalf hereinafter contained, the register shall during business hours (subject to such reasonable restrictions as the Trust may impose but so that not less than two hours on each business day shall be allowed for inspection) be open to inspection by any unitholder without charge.

(5) The register will be closed at such times and for such periods as the Trust may from time to time determine provided that it shall not be closed for more than 30 days in any one year; the Trust shall give notice of such closure by advertisement in such newspapers as the Board may direct.

(6) No notice of any trust express, implied or constructive shall be entered on the register in respect of any unit.

#### XVII. Receipt by unitholder to discharge Trust :—

The receipt of the unitholder for any moneys paid to him in respect of the units represented by the certificate shall be a good discharge to the Trust.

#### XVIII. Death or bankruptcy of a unitholder :—

(1) In case of death of either of the joint holders of a unit certificate, the survivor shall be the only person recognised by the Trust as having title to or interest in the units represented by the unit certificate. Provided that nothing herein contained shall effect any right which any other person may have as against such survivor in respect of the said units.

(2) In the event of death of a single holder, the nominee shall be the person recognised by the Trust as the person entitled to the amount payable by the Trust in respect of units under the Regulations.

(3) In the absence of a valid nomination by a single unitholder, the executor or administrators of the deceased unitholder or a holder of succession certificate issued under Part X of the Indian Succession Act, 1925 (39 of 1925) shall be the only persons who may be recognised by the Trust as having any title to the unit.

(4) Any person becoming entitled to a unit in consequence to the death or bankruptcy of a unitholder may, upon producing such evidence as to his title as the Trust shall consider sufficient, be paid the repurchase value of all units to the credit of the deceased at the repurchase price ruling on the date

on which all the formalities in connection with the claim have been complied with by the claimant.

#### XIX. Application on behalf of minors :—

(1) An adult individual being a parent, step-parent or other lawful guardian of a minor may apply for the units and deal with them in accordance with and to the extent provided in sub-section (2A) of Section 21 of the Act and in this scheme.

(2) Such adult while applying for units shall furnish to the Trust in such manner as may be specified, proof of age of the minor and the capacity to hold and deal with units on behalf of the minor.

Provided that the Trust shall be entitled to act on the statements made by such adult in the application form without any further proof.

#### XX. Transfer of units :—

No transfer of units issued under this scheme shall be permissible.

#### XXI. Nomination by unitholders and agents :—

Unitholders and agents may exercise the right to make or cancel a nomination to the extent provided in the Regulations.

#### XXII. Investment limits :—

(1) Investments by the Trust from the funds of the scheme in the securities of any one company shall not exceed 15% of the securities issued and outstanding of such companies.

Provided that the aggregate of such investments in the capital initially issued by new industrial undertakings shall not at any time exceed 5% of the total amount of the said funds.

(2) The limits prescribed under sub-clause (1) shall not apply to investments of the Trust in bonds and debentures of a company whether secured or not.

#### XXIII. Income distribution :—

(1) The Trust shall pay dividend to the unitholders at the following rates :—

Year (July—June)	Rate
1981-82	12.00% (on a prorata basis)
1982-83	12.00%
1983-84	12.50%
1984-85	12.50%
1985-86	13.00%
1986-87	13.00%

(2) Dividend shall be payable every half year ending 31st December and 30th June to those whose names stood on the register of unitholder as on the above dates. The income distributable shall be paid as soon as may be after the expiry of the relevant half year.

(3) Dividend for 1981-82 shall be paid along with the dividend for the half-year ending 31st December, 1982. For 1981-82, unitholders buying units in May 1982, shall be eligible for dividend for two months and those buying in June 1982 will be eligible for dividend for one month.

(4) No interest shall be payable by the Trust on such income distributable among the unitholders.

(5) The income distributable among unitholders shall be paid by means of a warrant payable at par at a branch of a specified bank.

#### XXIV. Publication of accounts :—

The Trust shall as soon as may be after the 30th June of then year cause to be published in such manner as the Board may decide, accounts in the manner specified by the Board, showing the working of the scheme during the period ending

on the 30th June. The Trust shall, on a request in writing received from a unitholder, furnish him a copy of the accounts so published.

**XXV. Additions and amendments to scheme :—**

The Board may from time to time add to or otherwise amend this scheme and any amendment thereof will be notified in the Official Gazette.

**XXVI. Termination of the scheme :—**

The scheme shall stand terminated as on 1st July, 1987. All the unitholders of the scheme at that time shall be paid the value of their units at the repurchase price fixed for the above date. Thereafter, no further benefit, whether by way of increase in the repurchase value or by way of dividend for any period subsequent to 30th June, 1987, shall accrue

to them. The repurchase value will be paid by the Trust as early as possible after the unit certificate with the form on the reverse thereof duly completed has been received by it. The unit certificate shall be retained by the Trust for cancellation.

**XXVII. Scheme to be binding on unitholders :—**

The terms of this scheme, including any amendments thereof from time to time, shall be binding on each unitholder and every other person claiming through him as if he had expressly agreed that they should be so binding.

**XXVIII. Copy of scheme to be made available :—**

A copy of this scheme incorporating all amendments thereto shall be made available for inspection at the offices of the Trust at all times during its business hours and may be supplied by the Trust to any person on application.

**FORM-A**

**UNIT TRUST OF INDIA**

(Incorporated under the Unit Trust of India Act, 1963)

**INCOME UNIT SCHEME, 1982.**

(Clause XII)

Unit Certificate No.

No. of units.

This is to certify that the person/s named in this Certificate is/are the Registered Holder(s) of ..... Units, each of the face value of Rupees one Hundred, subject to the provisions of the Unit Trust of India Act, 1963 (52 of 63), the Regulations framed thereunder and the income unit Scheme, 1982.

Name/s

**FOR THE UNIT TRUST OF INDIA**

.....  
.....

Date .....

**NOT TRANSFERABLE**

(FOR USE OF OFFICE)  
Details of Repurchase)

Date of repurchase	Unit repurchased	Balance of units	Signature of authorised official	Office Stamp.
.....	.....	.....	.....	.....
.....	.....	.....	.....	.....
.....	.....	.....	.....	.....

**FORM OF APPLICATION FOR REPURCHASE OF UNITS**

To

Unit Trust of India,  
Bombay.

I/We/am/are desirous of offering units as indicated below for repurchase by the Unit Trust:

First Repurchase@ Second Repurchase@ Final Repurchase@@

Date . . . . .  
 No. of units offered for repurchase . . . . .  
 Signature (s) of unit holder(s) . . . . .  
 Desired mode of Remittance . . . . .  
 Witnesses  
 (1) Name . . . . .  
 Occupation . . . . .  
 Address . . . . .  
 Signature . . . . .  
 (2) Name . . . . .  
 Occupation . . . . .  
 Address . . . . .  
 Signature . . . . .

@ Between July 1, 1984 and June 30, 1987, unitholders will be allowed to offer for repurchase units on one or two occasions up to the total of 50% of the original holding only during the period when the Register of Unitholders is kept open. Fraction of a unit shall not be repurchased.

@@ For repurchase after June 30, 1987. Repurchase application has to be for all the units outstanding in favour of the unitholder(s).

\*Cash/cheque/bank draft (at the cost of the unitholder).

A. P. KURIAN,  
General Manager (P&D)

#### PANJAB UNIVERSITY, CHANDIGARH

No. 2-82/G.R.—The Central Government (Ministry of Education & Culture) have accorded approval vide their letter No. 15-1-81 Desk(U), dated 26-3-1982 to the following Regulations :—

1. Regulations 1.1 and 1.3 of the Chapter II(A)(ii) 'The Syndicate' at pages 42-43 of the Calendar, Volume I, 1981 shall read as under :—

1.1 The Syndicate shall consist of—

1. The Vice-Chancellor, Chairman;  
Ex-officio members
2. The Director of Public Instruction, Punjab;
3. The Director of Public Instruction, Haryana;
4. The Director of Public Instruction, Chandigarh.

5. 19 Elected Members :—

15 (Ex-officio or Ordinary Fellows) elected by the Fellows assigned to the following Faculties in proportion indicated against each :

(a) to (e) xxx xxx

(f) Faculties of Dairying, Animal Husbandry & Agriculture, Education, Business Management and Commerce, Engineering & Technology, Design & Fine Arts and *Pharmaceutical Sciences*.

1.3 Elections shall be held at meetings of the Faculties concerned which shall be attended only by Fellows assigned to each of these Faculties and each Fellow shall be entitled to vote for as many candidates as there are Syndics to be elected. A candidate shall be proposed and seconded and voting shall be by secret ballot. A fresh vote shall be taken when equality of votes makes this necessary. If the votes are equal after a second vote is taken, the Chairman shall have a second or a casting vote.

Provided that—

(i) At least one of the Syndics elected by the Faculty of Languages, two elected by the Faculty of Arts, two elected by the Faculty of Science, one elected by the Faculty of Medical Sciences, and two elected by the Faculties of Dairying, Animal Husbandry & Agriculture, Education, Business Management and Commerce, Engineering & Technology, Design & Fine Arts and *Pharmaceutical Sciences*, shall be Heads of or Teachers in, Colleges affiliated to the University or Colleges and Teaching Departments maintained by the University.

(ii) & (iii) xxx xxx

2. Regulations 1.1, 1.2, 2.1, 2.4, 2.5, 2.6 and 4 of Chapter II(A)(vi) 'Boards of Studies' at pages 64-70 of the Calendar, Volume I, 1981, shall read as under :—

1.1. There shall be two separate Boards of Studies in the following subjects; one for the Undergraduate Studies for all examinations up to B.A./B.Sc./B.Com. and B.A. (Honours) and the other for Post-graduate studies for all the M.A./M.Sc. M.Com. examinations including Post-graduate Diploma Courses of one year duration excluding M.Phil. and Honours School Courses.

English, Hindi, Punjabi, Sanskrit, Economics, History, Political Science & Civics, Philosophy, Psychology, Public Administration, Sociology, Botany, Chemistry, Mathematics, Zoology, Physics, Statistics, Geography and Commerce.

1.2 For the following subjects there shall be Boards of Studies for Postgraduates only :

1. Ancient Indian History, Culture & Archaeology.
2. Anthropology.
3. Biophysics.
4. Biochemistry.
5. Microbiology.
6. Geology.

Provided that there shall be separate Boards of Studies for Under-graduate Courses when the teaching in any of the above subjects is undertaken at the undergraduate level.

2.1 Each Board of Under-graduate Studies shall consist of—

- (i) (a) The Head of the University Department teaching the subject-Convenor, ex-officio;
- (b) The Director-Professor of V.V.B.I.S. & I.S., Hoshiarpur, shall be ex-officio member of the Board of Studies in Sanskrit;
- (c) One Professor of the University Department teaching the subject, by rotation, according to seniority, for one term if the Head of the Department is a Reader/Lecturer;
- (ii) to (iv) XXX XXX
- XXX XXX

2.4 For the Board of Studies in Medicine, the following shall be eligible to seek election;

A teacher of the M.B.B.S. class and/or a postgraduate class in the Faculty of Medical Sciences of 10 years' standing in the case of Ph. D. degree holder of 5 years' standing, or a former teacher who has taught the subject dealt with by the Board for 20 years or more.

2.5 The Board of Studies in Education shall consist of :—

- (a) Principals of the Colleges of Education affiliated for M. Ed. - ex - officio;
- (b) Head of the University Department of Education ex-officio;
- (c) One Professor of University Department of Education, by rotation, according to seniority, for one term, if the Head of the Department is a Reader/Lecturer;
- (d) and (e) XXX XXX

2.6 For the Board of Studies in Education, the following shall be eligible to seek election :—

- (i) a teacher of an affiliated College of Education, or
- (ii) a teacher teaching the subject of Education in an affiliated college on whole-time basis, or
- (iii) a teacher of the University Department of Education, with at least 10 years' standing and in the case of Ph D. degree holders of five years' standing.

4. The Boards of Studies in the following subjects and their Conveners shall be nominated by the Syndicate :—

- I. to XLIV. XXX XXX

XIV. Post-graduate Studies in Nursing

XVI. Assamese.

The Dean of the Faculty concerned shall be an ex-officio member of the Boards XX to XXXIV, XLIII and XLV.

XXX XXX

3. Regulation 2 of Chapter IV(A)(i) 'Dean of University Instruction' at page 124 of the Calendar, Volume I, 1981, shall read as under :—

2. Duties and functions of the Dean of University Instruction shall be :—

- (i) to (iii) XXX XXX

- (iv) To arrange the accommodation of all University classes, diploma courses, etc.:

Provided that in the case of a Regional Centre, which may be established by the University, the Director of Centre shall make such arrangements;

(v) to see that discipline and routine of work in all University Classes including evening classes, diploma courses, etc. is maintained in accordance with the wishes and decisions of the Boards of Control and Academic Council;

(vi) to exercise control, in respect of matters specified in (i) above, over the functioning of the University teaching departments, through the Chairmen/Heads of the departments:

Provided that in the case of a Regional Centre, which may be established by the University, the Director shall exercise these powers;

(vii) to (xv) XXX XXX

4. Regulation 5 of Chapter V(C) 'The Vishveshvaranand Vishwa Bandhu Institute of Sanskrit and Indological Studies' at page 135 of the Calendar, Volume I, 1981, shall read as under :—

5. The Boards shall make recommendations, for consideration of the relevant authorities of the University in regard to the following matters;

- (i) creation or abolition of any posts;
- (ii) revision of pay-scales of the staff.

5. The following Regulation 8 of Chapter V(C) 'The Vishveshvaranand Vishwa Bandhu Institute of Sanskrit and Indological Studies' at page 136 of the Calendar, Volume I, 1981, has been deleted :—

8. The first Director of the Institute shall be an ex-officio Chairman of the Board of Studies in Sanskrit.

6. Regulations 12.1, 12.2, 12.3, 12.5 and 12.6 of Chapter VI 'Conditions of Service of University Employees' at pages 142-43, 145, 150 and 151-52 respectively, of the Calendar, Volume I, 1981, shall read as under :—

12.1 MEMBERS (TEACHING AND NON-TEACHING) OF TEACHING DEPARTMENTS, COLLEGES AND OTHER ACADEMIC INSTITUTIONS MAINTAINED BY THE UNIVERSITY (CLASS "A") shall be entitled to—

(A) (a) (for Teaching Members) Vacation & Recess.

(i) to (iii) XXX XXX

XXX XXX XXX

(b) (for Non-Teaching Members)

for every 11 months' service an employee may be given credit of one months' privilege leave on full pay, which shall be allowed to accumulate in accordance with the rules approved by the Syndicate for non-teaching staff. No one shall be granted more than 120 days leave at a time.

The competent authority may allow this leave to be availed of, subject to a maximum of 120 days, on attaining the age of retirement, if it was applied for in good time and was refused in the interest of the University.

(c) Teaching members who are declared as non-vacation officers by the competent authority shall be governed by the provision in (b).

(d) Non-teaching members shall be entitled to—

- (1) (i) Summer Vacation—Half.
- (ii) September/October recess—Half.
- (iii) Winter recess—Half.

The date shall be fixed by the Head of the concerned Department.

If an employee is not permitted under orders of the Vice-Chancellor to be absent during the above period of summer vacation, he may, in lieu thereof, be given credit of privilege leave on full average pay, for such period, not exceeding one month per year as may be determined by the competent authority.



produce a certificate from a teacher in charge of an institution affiliated to a recognised University for teaching this subject or an institution approved for the purpose by the Board of Studies in Geography/Academic Council concerned to the effect that he/she has completed the course prescribed for practical work in this subject.

14. Regulation 2.1 for B.A. degree through English only and elective subjects examinations after qualifying in O.T. or M.I.L. examination at pages 92-93 of the Calendar, Volume II, 1981, shall read as under :—

2.1 (a) A candidate who has passed the *proficiency* examination in an Oriental Classical Languages or in a Modern Indian Language of the University of Panjab at Lahore before 1948 or of Panjab University or an examination of another University, which has been recognised as equivalent thereto by this University and has passed the *Matriculation or Higher Secondary Part I examination* in full subjects or in the subject of English only from the Panjab University or from Central Board of Secondary Education (students of Union Territory of Chandigarh), or Boards of School Education, Punjab, Haryana or Himachal Pradesh, may be permitted to qualify in English of the *Pre-University examination*.

(b) *A candidate who has passed the High Proficiency examination in an Oriental Classical Language or in a Modern Indian Language of the University of Panjab at Lahore before 1948 or of the Panjab University or an examination of another University which has been recognised as equivalent thereto and has passed the Pre-University examination in full subjects or in the subject of English only, may be permitted to qualify in English of B.A. Part I examination.*

(c) *A candidate who has passed the Honours examination in an Oriental Classical Language or in a Modern Indian Language of the University of Panjab at Lahore before 1948 or of the Panjab University or an examination of another University which has been recognised as equivalent thereto and has passed B.A. Part I examination in full subjects or in the subject of English only may be permitted to appear in—*

- (i) B.A. Part II English and one elective subject other than an Oriental Classical Language if he has passed Honours examination in such language or a Modern Indian Language if he has passed Honours examination in such language.
- (ii) B.A. Part III English and one elective subject other than an Oriental Classical Language if he has passed Honours examination in such language or a Modern Indian Language if he has passed Honours examination in such language.

*A candidate seeking permission under Regulation 2.1 (a), 2.1 (b) & 2.1 (c) may appear in the respective examination held in April and/or September, on submission of the prescribed admission application form and fee.*

15. Regulations 1.1 and 1.3 for Certificate in Modern Indian Languages examinations at page 187 of the Calendar, Volume II, 1981, shall read as under :—

- 1.1 There shall be examinations for certificates of
  - (a) (i) Proficiency in Hindi Language and Literature to be called 'Ratna' ;
  - (ii) *High Proficiency in Hindi Language and Literature* to be called 'Budhiman' ;
- (b) (i) Proficiency in Panjabi Language and Literature to be called 'Budhiman' ;
- (ii) *High Proficiency in Panjabi Language and Literature* to be called 'Vidvan' ;
- (c) (i) Proficiency in Urdu Language and Literature to be called 'Adib' ;
- (ii) *High Proficiency in Urdu Language and Literature* to be called 'Adih Alami' .

XXX XXX XXX

1.3 These examinations shall be held—

- (a) annually ordinarily in the month of April in the case of Proficiency in Urdu (Adib); and *High Proficiency in Urdu (Adih Alami)* ;
- (b) twice a year ordinarily in the months of April and September in the case of—
  - (i) *Proficiency in Hindi (Ratna)* and *High Proficiency in Hindi (Bhushan)* ;
  - Proficiency in Panjabi (Budhiman)* and *High Proficiency in Panjabi (Vidvan)* .
- (ii) XXX XXX XXX

16. The following has been added as Regulation 3.3 to the Regulations for B.A. degree through English only and Elective subjects examinations after qualifying in O.T. or M.I.L. examination, at page 94 of the Calendar, Volume II, 1981 :—

3.3 A candidate who has passed Honours in Sanskrit (Shastri) examination of the Panjab University or an examination of another University, which has been recognised as equivalent thereto by this University, shall be allowed to take directly B.A. Part II and B.A. Part III examination in English only.

17. The following has been added as Regulation 3.3 to the Regulations for M.A. examinations at page 107 of the Calendar, Volume II, 1981 :—

3.3 A candidate who has passed Shastri examination of the Panjab University or an examination of another University, which has been recognised as equivalent thereto by this University, shall be allowed to seek admission to M.A. Sanskrit course provided he has passed the B.A. Part II and Part III examination in the subject of English.

18. Regulation 3.1 for Bachelor of Mass Communication examination at page 95 of the Calendar, Volume II, 1981, shall read as under :—

3.1 The examination shall be open to a student who has passed the examination as laid down in Regulation 2 and

- (i) & (ii) XXX XXX
- (a) & (b) XXX XXX
- (c) of having obtained at least 40 per cent marks in Practical Assignments (marks to be awarded by the teachers on the basis of assignments done by a student up to the end of March of the academic year).

19. The following have been added as Regulations 16.1, 16.2, 16.3 and 16.4 to the Regulations for B.A./B.Sc. examination at page 74 of the Calendar, Volume II, 1981. The existing Regulations 16.1, 16.2, 16.3, 16.4, 16.5, 16.6, and 16.7 would be renumbered as 16.5, 16.6, 16.7, 16.8, 16.9, 16.10 and 16.11.

16.1 A candidate who has qualified for the award of the B.A./B.Sc. degree from the Panjab University may be allowed to re-appear as a private candidate in the subjects in which he appeared earlier, with a view to improving his previous performance.

16.2 A candidate who is allowed to re-appear in the B.A./B.Sc. examination under this Regulation may re-appear in both Parts II and III examinations simultaneously or may take the Part II and III examinations separately.

16.3 For this purpose, he may appear in September and/or April in the academic year immediately following the year of his passing the Part III examination.

16.4 A candidate who seeks re-evaluation of answer-book/s at the part III examination shall not be eligible to appear in Part II or Part III examination separately or simultaneously with a view to improving his performance.

20. The following have been added as Regulations 11.4, 11.5, 11.6, and 11.7 to the Regulations for B.Com. examination at Page 267 of the Calendar, Volume II, 1981 :—

11.4 A candidate who has qualified for the award of the B.Com. degree from the Panjab University may be allowed to re-appear as a private candidate in the subjects in which he appeared earlier, with a view to improving his previous performance.

11.5 A candidate who is allowed to re-appear in the B.Com. examination under this Regulation may re-appear in both

Parts II and III examinations simultaneously or may take Part II and Part III examinations separately.

11.6 For this purpose, he may appear in September and/or April in the academic year immediately following the year of his passing the B. Com Part III examination.

11.7 A candidate who seeks re-evaluation of answer-book/s at the Part III examination shall not be eligible to appear in Part II or Part III examination separately or simultaneously with a view to improving his performance.

21. Regulation 2.1 for M.A. examination at page 103 of the Calendar, Volume II, 1981, shall read as under:—

2.1 The examination for the degree of Master of Arts shall be held in the following subjects and a candidate shall offer one of them :

(i) A language i.e. English, Sanskrit, Persian, Arabic, Hindi, Punjabi, Urdu, French, Bengali.

(ii) to (xvi) xxx xxx  
Provided that—

(i) to (iv) xxx xxx

22. Regulation 13.1 for M.A. (2-year) examination at page 112 of the Calendar, Volume II, 1981, shall read as under:—

13.1 A candidate who has qualified for the award of M.A. degree from the Panjab University may be allowed to re-appear as a private candidate in the paper/s in which he wants to improve his previous performance. For this purpose, he may be given two chances within a period of five years from the date of his passing the M.A. examination. Improvement will not, however, be allowed in dissertation/thesis viva voce and practicals. The candidate will be charged a fee of Rs. 25/- for each paper, or the maximum admission fee prescribed for the examination concerned, whichever is lower.

23. Regulation 9.1 for M.A. (Physical Education) examination at page 258 of the Calendar, Volume II, 1981, shall read as under:—

9.1 A candidate who has qualified for the award of the M.A. degree in Physical Education from the Panjab University may be allowed to re-appear as a private candidate in the paper/s in which he wants to improve his previous performance. For this purpose, he may be given two chances within a period of five years from the date of his passing the M.A. examination. Improvement will not, however, be allowed in dissertation/thesis, viva voce and practicals. The candidate will be charged a fee of Rs. 25/- for each paper, or the maximum admission fee prescribed for the examination concerned, whichever is lower.

24. Regulation 10.1 for M.Ed. examination at page 240 of the Calendar, Volume II, 1981, shall read as under:—

10.1 A candidate who has qualified for the award of M.Ed. degree, from the Panjab University, may be allowed to re-appear as a private candidate in the paper/s in which he wants to improve his previous performance. For this purpose, he may be given two chances within a period of five years from the date of his passing the M.Ed. examination. Improvement will not, however, be allowed in dissertation/thesis, viva-voce and practicals. The candidate will be charged a fee of Rs. 25/- for each paper, or the minimum admission fee prescribed for the examination concerned, whichever is lower.

25. The following Regulation 10.2 for M.Ed. examination at page 240 of the Calendar, Volume II, 1981, has been deleted:—

10.2 A candidate allowed to re-appear under this regulation shall have the option either to submit the dissertation afresh or may get his previous marks in dissertation carried forward.

26. Regulation 2 for Diploma in Forensic Science and Criminology at page 151 of the Calendar, Volume II, 1981, shall read as under:—

2. The minimum qualifications for admission to the course shall be—

(a) B.Sc. degree of the Panjab University;

or

(b) A Bachelor's degree in any other Faculty of the Panjab University provided that he has passed Matriculation examination with Science or an equivalent examination.

or

(c) An examination of any other University recognised by the Syndicate as equivalent to (a) or (b).

27. Regulation 2.1(iii) for Doctor of Philosophy in the Faculties of Arts, Languages, Education, Science and Design & Fine Arts at page 169 of the Calendar, Volume II, 1981, shall read as under:—

2.1(iii) A Laboratory or an Institution approved by the Joint Research Board provided that the applicant has passed his M.A./M.Sc. or M.Phil. from the University.

28. Regulation 3.4 for Ph.D. degree in the Faculties of Arts, Languages, Education, Science and Design & Fine Arts, at pages 169-70 of the Calendar, Volume II, 1981, shall read as under:—

3.4 Within one year of the date of enrolment the candidate shall apply through the Chairman/Head of the University Department concerned for registration. Extension up to 6 months may be granted by the Dean of University Instruction on the recommendation of the Chairman/Head of the University Department concerned. If a candidate fails to submit the tentative title of thesis within a period of one and a half years, the Chairman/Head of the Department may give specific reasons for consideration of the Joint Research Board which may grant further extension for the period considered necessary.

The application for registration will contain:—

- (a) a tentative title of thesis or broad area of work; and
- (b) a tentative design of research project.

If the candidate does not give the title of the thesis in his registration application form or wants to defer the submission of the tentative design of research work, he will have to get the title of the thesis and/or the design of his research project approved by the Joint Research Board at a later date. But in either case the candidate must submit the registration form within the required period of one year from the date of his enrolment in the Department.

29. Regulation 15 for Ph.D. degree in the Faculties of Arts, Languages, Education, Science and Design & Fine Arts, at pages 173-74 of the Calendar, Volume II, 1981, shall read as under:—

15. On completion of the research work and in accordance with the period allowed in Regulations 8 and 13 the candidate shall submit four printed or typewritten copies of his thesis and shall comply with the following conditions:—

- (i) the thesis shall accompany—
  - (a) a fee of Rs. 300
  - (b) A certificate from his supervisor (as may be prescribed by the Syndicate) indicating the period for which the candidate has done research work and that the thesis is worthy of consideration for the award of the Ph.D. degree, and
- (c) (i) In the case of a candidate for Faculty of Science the need for the knowledge of foreign languages, as partial requirement for Ph.D. thesis shall be determined by the Board of Control of the Department concerned.
- (ii) The thesis must be a piece of original research work characterised either by the discovery of new facts or for a fresh interpretation of the known facts or theories; in either case it shall give evidence of the candidate's capacity for original research, critical examination and judgement;
- (iii) The thesis shall be satisfactory in its literary presentation;
- (iv) The thesis shall indicate how it embodies the results of the candidate's own research or

observations and the respects in which the candidate's investigations appear to him to have advanced study of the subject;

Provided that—

(a) to (d)      XXX      XXX      XXX

30. Regulations 10.2, 10.3, 10.4 and 10.5 for Diploma in Adi Granth Acharya examination at page 181 of the Calendar, Volume II, 1981, shall read as under:—

10.2 A person who is allowed to reappear in this examination under Regulation 10.1 may reappear in both Part I and Part II examinations simultaneously or Part I or Part II or both the Parts separately, but if he chooses to appear in both the Parts, he must complete the examination within a period of five years from the date of his passing the Adi Granth Acharya examination.

10.3 Marks already obtained in Part I or Part II may be carried forward and combined with the other Part for purposes of improving the previous performance.

10.4 A person who chooses to reappear in both the Parts separately, but finds that he has improved the previous performance even with the marks of one Part, may not reappear in the other Part.

10.5 The result of the candidate shall be declared only if he improves his performance.

31. Regulations 11.2, 11.3, 11.4 and 11.5 for Diploma of Acharya in Sanskrit Language and Literature examination at page 194 of the Calendar, Volume II, 1981, shall read as under:—

11.2 A person who is allowed to re-appear in this examination under Regulation 11.1 may re-appear in both Part I and Part II examinations simultaneously or Part I or Part II, or both Parts separately, but if he chooses to appear in both the Parts, he must complete the examination within a period of five years from the date of his passing the Diploma of Acharya in Sanskrit Language & Literature examination.

11.3 Marks already obtained in Part I or Part II may be carried forward and combined with the other Part for purposes of improving the previous performance.

11.4 A person who chooses to re-appear in both the Parts separately, but finds that he has improved the previous performance even with the marks obtained in one part, may not re-appear in the other Part.

11.5 The result of the candidate shall be declared only if he improves his performance.

32. Regulation 8.1 for Diploma of Acharya in Sanskrit Language & Literature examination at page 193 of the Calendar, Volume II, 1981, shall read as under:—

8.1 The minimum number of marks required to pass the examination shall be 40 per cent in each paper; and 45 per cent in aggregate.

XXX      XXX      XXX

33. The following has been added as Regulation 8.2 to the Regulations for M.A. (Physical Education) examination at page 257 of the Calendar, Volume II, 1981: The existing Regulations 8.2, 8.3, 8.4 and 8.5 would be renumbered as 8.3, 8.4, 8.5 and 8.6.

8.2 A candidate shall be allowed to take partial re-examination in one paper only of M.A. Part I/II, if he obtains an aggregate of 45% marks in the remaining papers. For the purpose of clearing the paper in which he failed or could not appear, he shall be given two consecutive chances. A candidate shall be required to obtain 33% marks in order to clear the paper of partial re-examination.

Provide further that a candidate for M.A. Part I examination who is allowed to take partial re-examination in one paper shall be eligible to join M.A. Part II class provisionally subject to his clearing the re-examination paper in next two consecutive chances, failing which his candidature and result for M.A. Part II examination shall stand cancelled.

34. The following has been added as Regulation 2.2 to the Regulations for B. Com. examination at page 263 of the Calendar, Volume II, 1981. The existing Regulations 2.2, 2.3 and 2.4 would be renumbered as 2.3, 2.4 and 2.5.

2.2. A candidate who is placed in compartment/re-appear in one subject in the Pre-University/Higher Secondary examination of any Board/University, which is recognised as equivalent to the corresponding examination of the University, may be allowed to join the B.Com. Part I examination provisionally in a college affiliated to this University. The admission of such a candidate shall be subject to the condition that if he fails to clear the compartment/re-appear subject of the parent Board/University in two consecutive chances, immediately following the examination in which he was placed in compartment/re-appear, his provisional admission to B.Com. Part I examination as also the result of the B. Com. Part I examination shall be cancelled.

Provided that if a candidate is granted provisional admission to the B. Com. course, he shall be required to obtain at least 40 per cent marks in the aggregate in the examination on the basis of which he is being admitted.

35. Regulation 5 for the Diploma in Office Organisation and Procedure examination at page 303 of the Calendar, Volume II, 1981, shall read as under:—

5. The admission to the course shall be open to any person who has obtained—

(a) (i) The Bachelor's Degree of the Panjab University with not less than 40% marks in the aggregate or any other qualification recognised as equivalent thereto.

Provided that in case of candidates having a Bachelor's degree of the University through Modern Indian Language (Hindi Urdu/Punjabi [Gurmukhi Script]) and/or in a Classical Language (Sanskrit Persian/Arabic) or a degree of any other University obtained in the same manner recognised by the Syndicate, 40% marks in the aggregate shall be calculated by taking into account full percentage of marks in all the papers in Language excluding the additional optional paper, English and the elective subject taken together.

(ii) A Master's degree of the Panjab University or of any other University recognised as equivalent thereto:

Provided that a candidate who has passed in additional subject/s subsequent to obtaining the B.A./B.Sc. degree, 40% marks shall be calculated by taking into account the marks obtained in English and any other one/two elective subject/s and/or additional subject/s as the case may be.

"(b)      XXX      XXX  
"(c)      XXX      XXXXX

\* This shall apply to the students of Directorate of Correspondence courses only.

36. Regulations 2.3, 3.1 (iii), 3.3, 3.4 and 4.2 for Advanced Diploma in Labour Laws examination at pages 311-13 of the Calendar, Volume II, 1981, shall read as under:—

2.3 The candidates admitted to the course would be required to submit Dissertation/Project Report/Term Paper covering between 50 and 75 fool-scrap pages.

3.1 (iii) of having attended not less than 66 per cent in the aggregate of lectures/seminars/case-discussions/field topics.

3.3 A candidate who has attended the prescribed number of lectures but does not appear in the examination and has not submitted his Dissertation/Project Report/Term Paper or having appeared in examination and having submitted his Dissertation/Project Report/Term Paper has failed, may be permitted on recommendation of the Chairman/Head of the Department of Laws to appear in the examination and submit the Dissertation/Project Report/Term Paper as a private candidate before the next two consecutive examinations. A candidate who having attended the prescribed number of lectures does not appear in the examination or appears but fails shall not be permitted to re-join the course.

3.4 If a candidate has failed in the Diploma examination but obtained the prescribed pass marks in the Dissertation/

*Project Report/Term Paper, the marks obtained in Dissertation/Project Report/Term Paper may be carried forward for the next two consecutive examinations in which he is eligible to appear under Regulation 3.3.*

4.2(a) Every candidate shall apply for approval of the subject of his Dissertation/Project Report to the Chairman/Head of the Department of Laws within four weeks of his admission.

(b) XXX XXX XXX

(c) Three type-written copies of the Dissertation/Project Report shall be submitted by a candidate to the Registrar through Chairman/Head of the Department alongwith a certificate by the Supervisor/s that Dissertation/Project Report has been written by the candidate under the guidance of the Supervisor/s, (a) either one month before the commencement of the examination, or (b) up to the date of commencement of the examination with the permission of the Chairman/Head of the Department, or (c) within three months after the commencement of the examination with the prior permission of the D.U.I. on the recommendation of the Chairman/Head of the Department.

*A candidate who does not submit his dissertation within the above prescribed period, his result will be declared as 'fail'.*

37. The following have been added as Regulation 2.4 and 3.5 to the Regulations for Advanced Diploma in Labour Laws examination at page 312 of the Calendar, Volume II, 1981 :—

2.4 *Three type-written copies of the Dissertation/Project Report/Term Paper shall be submitted by a candidate to the Chairman/Head of the Department alongwith a certificate by the Supervisor/s (a) either one month before the commencement of the examination or (b) up to the date of the commencement of the examination, with the permission of the Chairman/Head of the Department or*

(c) *within three months after the commencement of the examination with the prior permission of the D.U.I. on the recommendation of the Chairman/Head of the Department.*

3.5 *If a candidate fails in the examination but obtains pass marks in at least two papers, he may be allowed to re-appear in the remaining paper/s in which he fails to pass/appear within two consecutive chances.*

*Provided that a candidate must clear all the papers including the Dissertation/Project Report of the said course within 3 years of his date of admission to the said course. In case he fails to clear all of his papers and dissertation within the prescribed period of three years, he may be given one more chance immediately after that and he will have to appear in all the papers. Such a candidate shall have the option to carry forward the marks obtained by him in Dissertation/Project Report. A candidate who does not clear the examination even at the extra chance given to him he shall not be eligible to rejoin the course as provided in Regulation 3.3.*

38. Regulations 2.3, 3.1(iii), 3.3, 3.4 and 4.2 for Advanced Diploma in Taxation at pages 315-16 of the Calendar, Volume II, 1981, shall read as under :—

2.3 *The candidates admitted to the course would be required to submit Dissertation/Project Report/Term Paper covering between 50 and 75 fool-scrap pages.*

3.1 (iii) of having attended not less than 66 per cent in the aggregate of lectures/seminars/case-discussions/field topics.

3.3 A candidate who has attended the prescribed number of lectures but does not appear in the examination and has not submitted his Dissertation/Project Report/Term Paper or having appeared in examination and having submitted his Dissertation/Project Report/Term Paper has failed, may be permitted on recommendation of the Chairman/Head of the Department of Laws to appear in the examination and submit the Dissertation/Project Report/Term Paper as a private candidate before the next two consecutive examinations. A candidate who having attended the prescribed number of lectures does not appear in the examination or appears but fails shall not be permitted to re-join the course.

3.4 If a candidate has failed in the Diploma examination but obtained the prescribed pass marks in the Dissertation/Project Report/Term Paper, the marks obtained in Dissertation/

*Project Report/Term Paper may be carried forward for the next two consecutive examinations in which he is eligible to appear under Regulation 3.3.*

4.2(a) Every candidate shall apply for approval of the subject of his Dissertation/Project Report to the Chairman/Head of the Department of Laws within four weeks of his admission.

(b) XXX XXX XXX

(c) Three type-written copies of the Dissertation/Project Report shall be submitted by a candidate to the Registrar through Chairman/Head of the Department alongwith a certificate by the Supervisor/s that Dissertation/Project Report has been written by the candidate under the guidance of the Supervisor/s, (a) either one month before the commencement of the examination, or (b) upto the date of commencement of the examination with the permission of the Chairman/Head of the Department, or (c) within three months after the commencement of the examination with the prior permission of the D.U.I. on the recommendation of the Chairman/Head of the Department.

*A candidate who does not submit his dissertation within the above prescribed period, his result will be declared as 'fail'.*

39. The following have been added as Regulations 2.4 and 3.5 to the Regulations for Advance Diploma in Taxation at page 315 of the Calendar, Volume II, 1981 :—

2.4 *Three type-written copies of the Dissertation/Project Report/Term Paper shall be submitted by a candidate to the Chairman/Head of the Department alongwith a certificate by the Supervisor/s (a) either one month before the commencement of the examination or (b) up to the date of the commencement of the examination, with the permission of the Chairman/Head of the Department or (c) within three months after the commencement of the examination with the prior permission of the D.U.I. on the recommendation of the Chairman/Head of the Department.*

3.5 *If a candidate fails in the examination but obtains pass marks in at least two papers, he may be allowed to re-appear in the remaining paper/s in which he fails to pass/appear within two consecutive chances.*

*Provided that a candidate must clear all the papers including the Dissertation/Project Report of the said course within 3 years of his date of admission to the said course. In case he fails to clear all of his papers and dissertation within the prescribed period of three years, he may be given one more chance immediately after that and he will have to appear in all the papers. Such a candidate shall have the option to carry forward the marks obtained by him in Dissertation/Project Report. A candidate who does not clear the examination even at the extra chance given to him he shall not be eligible to re-join the course as provided in Regulation 3.3.*

40. Regulation 6 for Post-graduate Diploma Course in Civil, Mechanical, Electrical and Chemical Engineering examination at page 338 of the Calendar, Volume II, 1981, shall read as under :—

6. A whole-time teacher in the University Department or in Engineering Colleges affiliated for the Post-graduate Diploma Course or an engineer working in a Department/Industry/Laboratory within the territorial jurisdiction of the University may be allowed to join this course on fulfilment of the conditions laid down in Regulations 4 and 5 above. He shall register himself for the first semester examination before beginning to attend the lectures and sessional work etc. He shall, however, not be allowed to study for more than two theory papers in any semester.

41. Regulation 3.2 for M.Sc. Engineering and M.Sc. Text. examinations at page 346 of the Calendar, Volume II, 1981, shall read as under :—

3.2 A whole-time teacher in the University Department or a college affiliated to the University for the M.Sc. Engg./M.Sc. Text. degree course or an engineer working in a Department/Industry/Laboratory within the territorial jurisdiction of the University may be allowed to join the course on having obtained at least 50% marks in B.Sc. Engg./B.Sc. Text. and on fulfilment of the conditions laid down in these Regulations. He shall register himself for the first semester examination before beginning to attend the lectures and sessional work etc. He shall, however, not be allowed to study for more than two theory papers in any semester.

42. Regulation 1.2 for Doctor of Medicine (M.D.) at page 370 of the Calendar, Volume II, 1981, shall read as under :—

1.2 The examination shall consist of (i) a thesis, (ii) four theory papers, oral, clinical and practicals and shall be held twice a year ordinarily in *June/July* and *December/January* on such dates as may be fixed by Syndicate. A candidate shall select one subject out of the list of Group A or B as given in Regulation 4.

43. Regulation 1.2 for Master of Surgery at page 381 of the Calendar, Volume II, 1981, shall read as under :—

1.2 The examination shall consist of (i) a thesis and (ii) four theory papers, oral, clinical and practicals and shall be held twice a year ordinarily in *June/July* and *December/January* on such dates as may be fixed by Syndicate. A candidate shall select one subject out of the list of Group A or B as given in Regulation 4.

44. Regulation 1 for Master of Chirurgery at page 397 of the Calendar, Volume II, 1981, shall read as under :—

1. The examination for the degree of Master of Chirurgery shall be held twice a year in the months of *June/July* and *December/January* or on such other dates as may be decided by the Syndicate.

45. Regulation 2 for M.Sc. Honours School examination (Revised) at page 136 of the Calendar, Volume II, 1981, shall read as under :—

2. A person who has passed one of the following examinations in the concerned subjects may be admitted to the M.Sc. Honours School course :—

- (i) B. Sc. Honours School examination of the Punjab University;
- (ii) *Pre-M.Sc. examination from the Punjab University;*
- (iii) Any other examination recognised by the Syndicate as equivalent to (i) above.
- (iv) A person who has been awarded B. Sc. Pass degree under Regulation 10.2 of B. Sc. Honours School examination (old Regulations), will be admitted subject to the approval of the Board of Control.

46. Regulation 12.1 for M.Sc. Honours School examination (Revised) at page 138 of the Calendar, Volume II, 1981, shall read as under :—

12.1. A student will be permitted to the Semester course, successively subject to the following conditions :—

The students are required to obtain 40 percent marks in each course of theory & practicals for a pass in that course in each semester.

A student who has failed in a course/s or missed any course/s shall be eligible to clear the same in a supplementary examination on a date fixed by the Syndicate.

47. Regulation 18(d) for Honours in B.Com. Course at page 269 of the Calendar, Volume II, 1981, shall read as under :—

18(d) There shall be no internal assessment in the case of late college students or the students of the Directorate of Correspondence Courses and the aggregate marks in each subject shall be increased proportionately.

48. Regulations 5, 6, 7.1, 8.1, 8.2 and 10.3 for Ph.D. degree in Nursing at pages 431-33 of the Calendar, Volume II, 1981, shall read as under :—

5. Applications for registration as well as approval of title, etc. (Regulation 3.4) after scrutiny by the Registrar's office, shall be forwarded for consideration to the Board of Post-graduate Studies in Nursing.

6. The Board of Post-graduate Studies in Nursing shall consider each application and recommend whether in their opinion—

(a) and (b)      xxx      xxx

7.1 The title of thesis and the supervisor recommended by the Board of Post-graduate Studies in Nursing shall be considered by the Faculty of Medical Sciences which shall have power to co-opt any other expert for a particular meeting.

The decision of the Faculty shall be final.

8.1 Every candidate shall pursue research work for three years from the date of his enrolment. Thereafter, he shall submit the thesis by one of the following dates whichever fails immediately next to the expiry of three years :—

First term : July 31  
Second term : October 31  
Third term : January 31  
Fourth term : April 30

Provided that the Faculty, may, on the recommendation of the Board of Post-graduate Studies in Nursing for reasons to be recorded, grant exemption for a period not exceeding one year to a candidate who already possesses M.D./M.S. degree and to research worker of good standing who has already carried out useful recognised work and allow him to submit his thesis after two years of enrolment and research or any period fixed by the Board but it shall not be less than two years from the date of enrolment.

8.2 A candidate may apply through the Principal/Head of college/Department for permission to modify the title of his thesis. The application will be considered by the Board of Post-graduate Studies in Nursing and then by the Faculty.

10.3 In the event of a difference arising between a candidate and supervisor, the matter shall in the first instance be referred to the Dean of the Faculty. If the Supervisor happens to be the Dean, the matter shall be referred to the Board of Post-graduate Studies in Nursing, directly.

When the matter is referred to the Board, it will take a decision itself, after obtaining, if necessary, the advice of an expert. The decision of the Board shall be final.

49. Regulations for Certificate Course in French/German/Russian/Tibetan for persons supplicating for Ph.D. degree in the Faculty of Science, shall read as under :—

1.1 The duration of the course for certificate in French/German/Russian/Tibetan for persons supplicating for Ph.D. Degree in the Faculty of Science shall be 9 months.

1.2 The examinations shall be held twice a year ordinarily in the months of March and November, on such dates as may be fixed by Syndicate.

1.3 The date of the examination and the last date for receipt of admission forms without and with late fee of Rs. 5/- as fixed by the Syndicate, shall be notified by the Registrar.

2. A person who is registered for supplicating Ph. D. degree at this University in the Faculty of Science shall be eligible to join this course.

3.1 A person who possesses the qualification laid down in Regulation 2, and produces the following certificates signed by the Chairman Tibetan Head of the Panjab University French/German/Russian/Tibetan Department, or by Principal of the College affiliated for the course, shall be eligible to appear in the examination :

- (a) of good character;
- (b) of having been on the roll of the Department/College during the academic year preceding the examination; and
- (c) of having attended not less than 66 percent of the lectures delivered to the class.

3.2 A deficiency in the required number of lectures may be condoned—

- (i) up to 15 lectures by the Head of the Department/Principal of the college;
- (ii) up to 25 lectures by the Dean of University Instruction, on the recommendation of the Chairman/Head of the Department/Principal of the college.

3.3. A student who, having attended the prescribed number of lectures, does not appear at the examination, or having appeared, has failed, may be permitted, on the recommendation of the Chairman Head of the Department/Principal of the college, to appear at the examination as a late college student, within a period of three years of completing the course.

4. The examination fee to be paid by a candidate shall be Rs. 30/-.

4.1. The examination shall be held in accordance with the syllabus approved by the Senate.

5.2. The medium of examination shall be English.

6. The minimum number of marks required to pass the examination shall be :—

- (a) 40% in each theory paper and
- (b) 45% in the aggregate.

7.1. Successful candidates shall be classified as under :

- (a) Those who obtain 60 percent or more of the aggregate number of marks—First Division.
- (b) Those who obtain 50 percent or more but less than 60 percent of the aggregate number of marks—Second Division.
- (c) Those who obtain less than 50 per cent of the aggregate number of marks—Third Division.

7.2. The Registrar shall publish the result of the examination four weeks after the termination of the examination or as soon as possible.

7.3. Each successful candidate shall be granted a certificate showing the division in which he has passed.

8. This course is not equivalent to the Certificate Course in French/German/Russian/Tibetan of the Panjab University and the persons having passed this course for Ph.D. students shall not be entitled for admission to the Diploma Course in French/German/Russian/Tibetan Course.

50. Regulations for Pre-M.Sc. examination, shall read as under :—

1.1. There shall be Pre-M.Sc. degree examination in subjects where University Departments may want to have only one type of M.Sc. i.e. M.Sc. Honours School, subject to the approval of the Board of Control and the Academic Council.

1.2. The duration of the course for the Pre-M.Sc. degree shall be one year comprising of two semesters.

1.3. The First semester shall be from July to December and Second semester shall be from January to May.

2. A person who has passed one of the following examinations shall be eligible to join Pre-M.Sc. course in the subject concerned except Physics, Chemistry and Mathematics :—

*Anthropology, Botany, Geology, Microbiology, Statistics and Zoology*

- (a) B.A./B.Sc. examination in the subject of the Pre-M.Sc. course of the Panjab University securing at least 50% marks in the aggregate or any other examination recognised by the Syndicate as equivalent thereto securing at least 50% marks in the aggregate.
- (b) Awarded B.Sc. Pass Degree under the old B.Sc. Hons. School regulations by the Syndicate on the recommendation of the Board of Control in the subject of M.Sc. course.

#### PHYSICS AND CHEMISTRY

- (a) B.Sc. examination of the Panjab University securing at least 50 percent marks with Chemistry, Physics and Mathematics for Pre-M.Sc. Chemistry and with Physics and any two of the following subjects for Pre-M.Sc. Physics :—

Mathematics, iBo-Chemistry, Botany, Chemistry, Geology, Statistics and Zoology.

- (b) awarded B.Sc. Pass Degree under the old B.Sc. Honours School regulations by the Syndicate on the recommendation of the Board of Control in the subject of B.Sc. course.

- (c) B.Sc. examination with 50 percent marks in aggregate from any other University recognised by the Syndicate as equivalent to (a).

- (d) B.Sc. (Hons.) examination of Panjab University or of any other University (recognised as equivalent thereto) in the subject of Pre-M.Sc. course.

#### MATHEMATICS

(a) B.A./B.Sc. with Honours in Mathematics of the Panjab University or from any other University recognised by the Syndicate as equivalent thereto.

(b) B.A./B.Sc. (Pass) with Mathematics having either to least 50 percent marks in the aggregate or at least 45 percent marks in Mathematics of the Panjab University or from any other University recognised by the Syndicate as equivalent thereto.

3. Every candidate for Pre-M.Sc. examination shall send his application through the Chairman Head of the University Department/principal of the College concerned, accompanied by the following certificates :—

- (a) of having good character;
- (b) of having been on the rolls of the University Department/affiliated College for the academic year preceding the examination; and
- (c) of having attended not less than (a) 66 percent of the full course of lectures delivered to his class in each of the prescribed course, and (b) 66 percent of the period assigned to each practical prescribed in the syllabus.

4. The Board of Control will have the power to condone shortage in addendance of lecturers and practicals to the extend of 10 percent lectures delivered in each course of theory and practicals.

5. The last date for receipt of admission form and fee with and without late fee of Rs. 5/- as fixed by Syndicate, shall be notified to the Chairman/Head of the Department / Principal of affiliated colleges concerned.

6. The amount of admission fee to be paid by a candidate for each semester examination shall be Rs. 60/-.

7. The medium of examination shall be English.

8. The syllabus and courses of reading for the Pre-M.Sc. course shall be as approved by the Senate from time to time.

9.1 The total number of marks for each semester examination shall be as follows :

First Semester	Second Semester
500	500

The exact marks allotted for each course (Theory and Practicals) will be decided by the Board of Control, keeping in view the number of lectures/practicals offered in various courses.

9.2 The number of courses theory and practicals as well as the distribution of marks, among theory, practicals, viva voce, if any, and field work shall be given in the syllabus.

10.1 The papers will be set jointly by the internal and external examiners (Internal examiner is one who has actually taught the course).

10.2 The answer-books would be examined independently by the internal and external examiners. The average of the two awards would be taken as long as the difference between the two awards is not more than 10 per cent of the maximum marks. In cases, where the difference between the two awards is more than 10% the scripts would be sent to the third examiner for marking and the average of two highest score would be taken as the final awards.

11. Examinations in various courses will be held at the end of each semester, according to the scheme of examinations approved by each Board of Central/Academic Council.

12. A student will be permitted to the semester course successively, subject to the following conditions:

(i) The students are required to obtain 40 percent marks in each course of (theory or practicals) for a pass in that course in each semester.

(ii) A student who may have failed or missed any course/s will have one chance to re-appear in the course/s in a subsequent examination of these courses in the next year. If he does not clear all the courses during the next year examination he

will be considered to have failed. The fee for reappearing in a course/s shall be Rs. 25/- per course subject to the maximum admission fee of the semester.

- (iii) The examination conducted at the end of each semester will be only in those courses, which have been offered in that semester.
- (iv) A student having once attended the course, may or may not attend the course afresh.
- (v) A student who does not clear all the course within one year after completing the attendance requirements of the second semester, may be declared to have failed.

13. The successful candidates shall be classified into three divisions as under :—

(a) Frist Division—Those

(a) First Division—Those who obtain 60 percent or more of the aggregate number of marks in the two semester examinations taken together.

(b) Second Division—Those who obtain 50 percent or more but less than 60 percent of the aggregate number of marks in the two semester examinations taken together.

(c) Third Division—Those who obtain 40 percent but less than 50 percent of the aggregate number of marks in the two semester examinations taken together.

14. Each successful candidate shall receive a Certificate of having passed the examination.

51. Regulations for Master of Philosophy in the Faculties of Arts, Languages, Education, Science and Design & Fine Arts at pages 164-67 of the Calendar, Volume II, 1981, have been revised to read as under :—

1. A candidate for the degree of Master of Philosophy in the Faculties of Arts, Languages, Education, Science and Design & Fine Arts should have obtained the Master's degree from the Punjab University or from another University examination which has been recognised as equivalent thereto by this University in the first or second division (50% marks in the subject concerned). For M.Phil. in Gandhian studies, Master's degree in the subjects will be determined by the Board of Control.

2.1. The minimum duration of the course shall be two semesters/one academic year. If, however a candidate who has passed the first semester examination is unable to complete his course within one year, he shall be permitted to complete it within a period of two years of his admission to the course.

2.2 A candidate supplicating for M.Phil. shall pursue courses of study and research in a Postgraduate Department at Punjab University, Chandigarh/Postgraduate Department of its Regional Centre if any. He may be allowed by the Board of Control to do field work or research at an approved centre of research outside Chandigarh, for a period ordinarily not exceeding three months, out of the minimum prescribed period of one academic year.

2.3 Except in the case of Mathematics and Statistics where the Board of Control may base their M.Phil. programme of study wholly on course work, in other subjects the M.Phil. course may consist of dissertation plus prescribed courses as determined by the Board of Control concerned. The total credits for the M.Phil. programme of study shall be 24. The disciplines where there is a requirement both for dissertation and courses at least 25% shall be allocated to the dissertation course work each. The Board of Control shall prescribe the courses and specify the methods of study/research subject to the approval of Joint Research Board. The setting of question papers and evaluation in regard to the courses taken by the candidates shall be done in the first instance by the teachers concerned. However, the Board of examiners, consisting of one external examiner, Chairman/Head of the Department and three members of the Faculty nominated by the Vice-Chancellor shall finalise the question papers and evaluation. Where the Vice-Chancellor considered necessary, he may nominate more external/internal examiners on the Board of Examiners.

3.1 A person who wishes to be enrolled as a candidate for M.Phil. programme of study, shall apply to the Department concerned by the date notified by the University, on the prescribed form.

3.2 A candidate for the M.Phil. course shall pay a fee of Rs. 25/- per month for one academic year. Candidates who are granted extension will not be required to pay any tuition fee.

3.3 On being enrolled, a person who holds a Scholarship/Fellowship of Punjab University or University Grants Commission or any other organisation approved by the Syndicate, specifically meant for the M. Phil. programme of study, shall be exempted from payment of monthly fee.

4. The title of the dissertation approved by the Board of Control as also the appointment of Supervisor shall be reported to the Joint Research Board.

5. A candidate may apply to the Board of Control through the supervisor for permission to modify the title of his dissertation within a period of two months from the date of its approval.

6. A candidate who is unable to complete his dissertation within two semesters one academic year, may apply through the supervisor concerned for grant of extension. Such extension may be granted by the Board of Control up to a maximum of one year but not more than six months at a time. However, it would not be necessary for the candidate to spend the period of extension in the Department.

Provided that every application for grant of extension shall be accompanied by a fee of Rs. 25/-.

7.1 On completion of the dissertation, the candidate shall submit three printed/typewritten copies of his dissertation along with the summary and a fee of Rs. 60/- in Arts and Rs. 70/- in Science.

7.2 The amount of admission fee to be paid by a candidate shall be—

- (i) Rs. 60/- per semester for candidates offering theory papers only.
- (ii) Rs. 70/- per semester for candidates offering both the theory papers and dissertation.

8. A candidate shall be permitted to submit his dissertation for the M. Phil. degree if his Supervisor certifies that dissertation presented is worthy of consideration for the award of M. Phil. degree. If a candidate fails to qualify in the prescribed course/courses but obtains pass marks in the dissertation, the marks obtained in the dissertation shall be carried forward, if the candidate so desires, without fresh assessment of the dissertation.

9. A candidate may incorporate in his dissertation the contents of any work which may have been published by him on the subject and shall inform the Supervisor, if he has done so. But he shall not submit his dissertation or any work for which a degree has already been conferred on him or any other person by this or any other University.

10. A candidate for the M. Phil. degree shall be free to publish his work after the declaration of the result.

11. The dissertation shall be evaluated by two examiners (i) external examiner to be appointed by the Vice-Chancellor on the recommendation of the Board of Control and (ii) the Supervisor concerned. The external examiner shall state in his report—

- (a) Whether the dissertation be (i) accepted (ii) resubmitted after revision (iii) rejected.
- (b) In case there is a difference of opinion between the two examiners in regard to the acceptance of the dissertation, the Vice-Chancellor may refer the dissertation to another examiner to be appointed by him, whose decision shall be final.

12. In case a dissertation is accepted by both the examiners (external and Supervisor) the candidate shall have to defend it before a Board of Examiners, consisting of (i) external examiners (who evaluated his dissertation) (ii) Chairman/Head of the Department, (iii) Supervisor concerned. In case the external examiner is unable to conduct the viva voce examination, the appointment of a substitute will be made by the Vice-Chancellor on the recommendation of the Chairman/Head of the Department. The Board of Examiners shall finalise the assessment of the dissertation in terms of numerical marks. It shall also submit a general report on the dissertation.

In case a candidate is required to revise his dissertation he shall submit it within a period of six months from the date the decision is intimated to him.

13. The minimum number of marks required to pass the examination shall be—

- (a) 45 per cent in each paper;
- (b) 50 per cent in the aggregate.

14. Successful candidates shall be classified as under:—

- (a) Those who obtain 70% or more of the aggregate number of marks .....First Division with Distinction.
- (b) Those who obtain 60% or more of the aggregate number of marks but less than 70% .....First Division.
- (c) Those who obtain less than 60% of the aggregate number of marks .....Second Division.

15. A candidate who has failed in the examination or having completed the courses has failed to appear in the examination, may be allowed to appear at the semester examination without attending a fresh course of lectures. For this purpose, he may be given two consecutive chances.

*Provided that he clears the course/courses within a period of 2 years from the date of commencement of the M. Phil. course.*

16. Subject to the provision of these Regulations and Rules the Registrar shall publish the result on the receipt of the decision of the Board of Examiners.

17. The period spent by a candidate who has been awarded M.Phil. degree or a M.Phil. candidate who has been found suitable for enrolment for Ph.D. degree by the Board of Control may be allowed by the Joint Research Board to be counted towards the minimum period for Ph.D. research. Such candidates will also be eligible for proportionate exemption in regard to the minimum residence of 30/36 weeks as provided in Ph.D. Regulations.

52. Regulations for Doctor of Philosophy in the Faculty of Business Management & Commerce at pages 296-302 of the Calendar, Volume II, 1981, have been revised to read as under:—

1.1 *The enrolment to the Doctor of Philosophy in the Faculty of Business Management & Commerce shall be open to a candidate who has obtained Master's degree with not less than 50 per cent marks in the aggregate, from Panjab University or from any other University (approved by the Academic Council) in any one of the following subjects:—*

- (i) *Commerce or Management.*

**OR**

- (ii) *Economics, Mathematics, Statistics, Sociology, Psychology, Public Administration, Operations Research, Social Work, Engineering and Law.*

**OR**

- (iii) *Any subject other than those mentioned in (i) & (ii) above. Provided that the candidate has either not less than 5 years' work experience at the managerial (including administrative service) level or is a member of the Faculty in the Department of Commerce & Business Management, Panjab University with not less than 5 years' experience of teaching postgraduate classes.*

*Provided further that candidates with qualifications mentioned in (ii) & (iii) above shall be eligible for enrolment only if the area of research relates to the Faculty of Business Management and Commerce.*

1.2 The following categories of candidates, who are graduates and have either a minimum 5 years' standing in the profession (practice or service) or 5 years' experience of teaching postgraduate classes, shall also be eligible for enrolment:

- (a) *A member (Associate or Fellow) of the Institute of Chartered Accountants of India.*
- (b) *A member (Associate or Fellow) of the Institute of the Costs & Works Accountants of India.*

(c) *A member (Associate or Fellow) of the Institute of Company Secretaries of India.*

2.1 Application for enrolment for the degree of Doctor of Philosophy shall be considered by a Research Board in Business Management and Commerce (hereinafter referred to as Research Board) which shall consist of—

- (i) *Dean, Faculty of Business Management and Commerce.....Convenor, ex-officio;*
- (ii) *Chairman, Department of Business Management and Commerce Panjab University (hereinafter referred to as the Department);*
- (iii) *Professors in the Department.*
- (iv) *One Reader by rotation in the Department.*
- (v) *Two members nominated by the Vice-Chancellor.*

The term of the office of the Board shall be two years.

2.2 *The functions of the Research Board shall be—*

- (i) *to enrol candidates for the Ph.D. course;*
- (ii) *to prescribe course work;*
- (iii) *to recommend to the Faculty of Business Management & Commerce the subject of thesis and the appointment of supervisor/joint supervisors;*
- (iv) *to grant exemption or extension, as the case may be (In accordance with Regulation 4.1);*
- (v) *to recommend recognition of approved centres;*
- (vi) *to recommend examiners for oral examination as required under Regulation 8.1 and for the thesis.*

3.1 A person who wishes to be accepted as a candidate for Ph.D. research shall, before starting research work, apply to the Research Board through the Chairman of the Commerce and Business Management Department on the prescribed form of enrolment, with a fee of Rs. 50/- (not refundable).

3.2 On being enrolled, every candidate shall pay a fee of Rs. 25 per mensem to the university. A person who is awarded a research scholarship by the University or by the University Grants Commission or by any other such body or is a teacher in the University Department or a College affiliated to this University may, however, be exempted from this fee.

3.3 Before enrolling a candidate for the doctoral course the Research Board shall satisfy itself, after scrutiny, which may include a written tests and/or a viva-voce examination that the applicant has necessary aptitude, qualifications and calibre for research.

4.1. The duration of Ph.D. course shall be three academic years.

Provided that the Research Board may, on the recommendation of the supervisor, for reasons to be recorded, accord exemption for a period not exceeding one year and allow a candidate to submit his thesis after two years of enrolment and research.

*Provided that extension may be granted, to a candidate who is unable to complete his research work and thesis within the prescribed period of 3 years, by the Research Board up to a maximum of two years (one year at a time) on the recommendation of and for reason to be recorded by the supervisor.*

*Every application for grant of extension shall be accompanied by a fee of Rs. 25.*

4.2. A candidate enrolled for Ph.D. shall pursue his research work in the Department of Commerce and Business Management.

*Provided that the Research Board may permit a candidate, after allocation of the subject of thesis and the appointment of supervisor to pursue his research work at an approved centre. If the supervisor is not satisfied with the progress of a candidate who is permitted to continue his research work at an approved centre, the supervisor may require the candidate to continue further work in the Department.*

4.3. A candidate who has cleared the course work and the comprehensive oral examination may be permitted to go to

another country for a part of his research work. But he shall be required to stay at the Department on his return for a minimum period of 6 months before he is permitted to submit his thesis.

4.4. The admissions to the Ph.D. course shall ordinarily be completed by July 31 each year and the prescribed course work shall commence with effect from August 1. The Research Board may, however, for reasons to be recorded, postpone admissions and/or the commencement of the course work.

5. The Ph.D. Programme shall consist of prescribed courses and a thesis. For candidates who are admitted under Regulations 1.1(i) and (ii) above, the course work will be spread over two semesters. For others, the duration of the prescribed course work shall be three semesters.

The courses shall be prescribed by the Research Board. The Research Board shall also specify the areas for Ph.D. research and every candidate shall be required the time of enrolment to indicate area of his research and he shall work only in the specified area.

However, Ph.D. candidates who are whole-time members of the Faculty of the Department may seek exemption from attending classes in one or more courses. The Research Board, after proper scrutiny of the candidates' earlier work and experience, may grant such exemption but they will be required to comply with other requirements of the course (test, examination etc.) and take a comprehensive oral examination in their area of specialization.

6. After satisfactory compliance of the prescribed course requirement, every candidate shall take a comprehensive oral examination in his area of specialization. He shall thereafter be registered for Ph.D. work for which he shall further synopsis and bibliography of the proposed thesis along with the title which may however be modified later to the extent it does not run counter to the broad contents of the thesis proposed. The subject of thesis shall be allocated to the candidate and a supervisor shall be appointed.

7.1. There shall be 100 per cent internal assessment in the course work. The satisfactory compliance of the course work shall mean a minimum of 50 per cent marks in each course.

7.2. If a candidate is unable to qualify in the course work, he may be given two more consecutive chances within a period of one year to comply with the course requirement and the additional work assignment shall be determined by the faculty member concerned. If he still does not qualify, his enrolment shall be cancelled.

8.1. The comprehensive oral examination shall be conducted by the Chairman and the three other members of the faculty nominated by the Research Board in the candidate's area of specialization.

8.2. The minimum requirement for qualifying in the comprehensive oral examination shall be 50 per cent marks.

8.3. If a candidate fails to qualify in the comprehensive oral examination in the first attempt, he shall be given two more chances, at an interval of not less than 3 months each. If he still does not qualify, his enrolment shall be cancelled.

9. Every candidate shall report in writing at the end of every, six months from the date of allotment of the thesis subject to the supervisor the work done by him during the six months. The supervisor will take such action on this report as he considers suitable depending on the nature of the report and other circumstances of the case.

10.1. It shall be one of the duties of the supervisor to submit to the Research Board a brief report on the candidate's research work twice a year viz., January and July.

10.2. If a supervisor gives unsatisfactory report on the work of a candidate, the position will be considered by the Research Board in order to decide whether the candidate should be allowed to continue his research for the Ph.D. degree.

10.3. In the event of a difference arising between a candidate and a supervisor, a reference shall be made to the

Dean of Faculty of Business Management & Commerce who may decide the dispute himself or refer it to some other competent person.

11.1. Immediately after completion of the period of registration, a candidate shall submit along with his application for Ph.D. degree four copies of his thesis along with its summary neatly printed or type-written or published in his own name accompanied by a fee of Rs. 300 and a certificate (as may be prescribed by the Syndicate) from his supervisor and countersigned by the Head of the Deptt. of his having completed his research indicating the period for which the candidate has done research work and whether the thesis is worthy of consideration for the award of Ph.D. degree.

11.2. Along with the thesis, a candidate shall furnish, for approval of the examiners, a brief abstract of the thesis giving an account of the investigation/research conducted and its main findings which will not exceed 2,000 words.

11.3. A declaration in writing shall be submitted by the candidate through the supervisor countersigned by the Chairman of the department to the effect that—

1. He has not submitted the thesis to any other University;

or

the thesis has been submitted to other University as well but that thesis is not substantially the same as now being submitted to this University; and

2. The thesis submitted by the candidate is the work of his own and is not on the basis of which the Ph.D. degree has already been awarded by any University.

11.4. The thesis shall comply with the following conditions:

(i) the greater portion of the work submitted therein must have been done subsequent to his passing the qualifying examination; and

(ii) the work must contain some material contribution to knowledge and afford evidence of originality shown by the discovery of new facts, or by the exercise of independence and critical power.

12. If a candidate fails to submit his thesis within the prescribed period including the extensions granted, his enrolment shall be cancelled, however, delays up to 3 months in the submission of the thesis beyond the prescribed/extended period may be condoned by the Dean, Faculty of Business Management and Commerce.

13. No conjoint research with the supervisor shall be permitted in regard to the subject-matter of the thesis. The thesis must consist of candidate's own work which must be his personal achievement, provided, however, that a candidate may submit, as subsidiary matter in support of his thesis any printed contribution for the advancement of his subject which may be published independently or conjointly. Where such subsidiary matter is submitted, a candidate shall indicate specifically his personal contribution to such joint work duly attested by the supervisor.

14. Every candidate shall give an undertaking that he will not publish his thesis without the previous permission of the Syndicate. If this permission is granted, the candidate shall acknowledge in the publication that the thesis as published was submitted partly or wholly to the University for the Ph.D. degree and shall also supply to the Registrar three copies of the published thesis; one copy to be placed in the University department concerned and two copies in the University Library. The candidate will also furnish the University with copies of reviews of his publication which, along with the book shall be brought to the notice of the Syndicate.

15.1. The thesis shall be referred to three examiners appointed by the Syndicate on the recommendation of the Research Board in Business Management and Commerce and the Vice-Chancellor. The examiners may recommend—

that the thesis be accepted for the award of Ph.D. degree;  
or

that the thesis be rejected;

or

that the thesis be allowed to be resubmitted with improvement and for this purpose may make such suggestions as they may deem fit. Provided that the candidate shall ordinarily resubmit the revised thesis after six months unless he is permitted to re-submit earlier in pursuance of the suggestions made by the examiners.

15.2 If at least two out of three examiners agree that the thesis be accepted for the award of Ph.D. degree, the candidate shall be called for viva voce examination.

15.3 In case only one examiner recommends the acceptance of the thesis and one or both the remaining examiners recommend the revision of the thesis, the thesis shall be revised.

16. Viva voce shall be held in accordance with the rules prescribed in this behalf by the Syndicate, before a final decision on the thesis. The examiners must send along with their reports questions for use by the Board of examiners conducting the oral examination. Such a Board shall consist of (a) Chairman of the Department; (b) Supervisor/supervisors (in case of joint supervision); and, (c) an external examiner to be appointed by the Vice-Chancellor/Syndicate.

17. The examiners shall indicate in their report whether:—

the thesis is fit for publication by the candidate in its original or modified form. In the latter case, they may make definite suggestions for improvement;

or

the thesis is of such an outstanding merit that the University should undertake its publication at its own cost.

18. A thesis shall be resubmitted, if so recommended by the examiners, only once, and it shall be examined by the examiner/s who assessed the original thesis and did not originally recommends it for the award of the degree unless both or any of them are unable or unwilling to do so.

19. A revised thesis must be resubmitted by the candidate not earlier than six months but within one year from the date

of intimation of the decision of the University to him. The revised thesis shall reach the University accompanied by half the amount of fee prescribed in Regulation 11.1 on one of the following dates whichever falls immediately next to the expiry of the time allowed herein :

First term .. July 31  
Second term .. October 31  
Third term .. January 15

20. The reports of both the examiners on the thesis as well as of the other examiners for the viva-voca shall be considered by the Syndicate. The Syndicate may decide:

- (i) whether the degree be awarded to the candidate;
- (ii) whether the thesis is fit for publication by the candidate in its original form or in any modified form;
- (iii) whether the thesis is of such outstanding merit that the University would be justified in publishing it at its own cost;
- (iv) whether the thesis be rejected; and
- (v) whether the candidate be allowed to resubmit the thesis after revision.

21. The Registrar shall notify the result in accordance with the decision of the Syndicate.

22. A person already registered for the Ph.D. degree, before these regulations come into force, shall, if he so desires to continue to be governed by the regulations which were in force at the time of registration. The thesis will be entertained under old regulations only if this option has been exercised earlier.

Chandigarh-160014  
Dated : 19-4-1982

JANKI DASS,  
Deputy Registrar (General)

Sealed in my presence with the Common Seal of Punjab University, this day the 20th April 1982.

D. P. VERMA  
Registrar